1 कोशिश

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) चींटियों की मेहनत इसलिए बेकार नहीं होती क्योंकि चींटी कई बार असफल होने के बाद भी निरंतर प्रयास करती रहती है और अंततः सफल होती है।

(ख) गोताखोर समुद्र की तह में मोती प्राप्त करने के लिए जाते हैं।

(ग) लहरों को देखकर नाविक आगे बढ़ने का प्रयास करता है।

(घ) असफलता एक चुनौती है।

2. सोचकर लिखो–

(क) चींटियाँ जब दाना लेकर दीवारों पर चढ़ने का प्रयास करती हैं तो इस प्रक्रिया में वो कई बार फिसलकर नीचे गिरती हैं लेकिन वे अपना प्रयास जारी रखते हुए सफलता प्राप्त करती हैं।

(ख) गोताखोर समुद्र से मोतियों को प्राप्त करने के लिए समुद्र की सतह तक जाते हैं। कई बार खाली हाथ लौटकर आते हैं लेकिन हर बार उनका प्रयास असफल नहीं होता।

(ग) हमे अपनी कमियों को इसलिए सुधारना चाहिए जिससे वो हमारी सफलता में बाधक न बनें।

(घ) किसी भी विद्यार्थी की प्रशंसा उसके द्वारा परीक्षा में प्राप्त अच्छे अंकों से होती है। इस कविता से हमें यह सीख मिलती है कि हमे कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। बार-बार असफल होने के बाद भी प्रयास करते रहना चाहिए।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है?

नाविक ☐ गोताखोर ☑ समुद्री डाकू ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ख) मन का विश्वास रंगों में क्या भरता है?

साहस ☑ उम्मीद ☐ हैरानी ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) कवि ने किसका मैदान छोड़कर भागने के लिए मना किया है?

युद्ध का ☐ खेल का ☐ संघर्ष का ☑ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) इंसान की जय-जयकार कब होती है?

कुछ कर दिखाने पर ☑ बिना कुछ किये ☐

कोशिश करने पर ☐ कोशिश भी न करने पर ☐

4. आशय स्पष्ट करो–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि हमें संघर्ष से घबराकर अपना लक्ष्य नहीं छोड़ना चाहिए।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए।

(ग) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि जब तक आप अपने लक्ष्य में सफल नहीं हो जाते, आपको नींद और आराम का त्याग कर देना चाहिए।

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

(क) नन्हीं चींटी जब **दाना लेकर चलती है**,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।

(ख) कुछ किये बिना ही **जय जयकार नहीं होती**,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

जिस समस्त पद का दूसरा पद प्रधान होता है, तथा विभक्ति का लोप हो, उसे 'तत्पुरुष समास' कहते हैं।

जैसे– रेखांकित- रेखा से अंकित। नीचे दिए गए पदों का विग्रह करके लिखो –

1. सत्याग्रह	– **सत्य के लिए आग्रह**	2. गुरुदक्षिणा	– **गुरु की दक्षिणा**
3. ज्ञानयुक्त	– **ज्ञान से युक्त**	4. पवनपुत्र	– **पवन का पुत्र**
5. पथभ्रष्ट	– **पथ से भ्रष्ट**	6. अमृतधारा	– **अमृत की धारा**
7. गुणयुक्त	– **गुण से युक्त**		

1. निम्नलिखित शब्दों के समस्त पद लिखो–

(क) गंगा का तट	– **गंगातट**	(ख) लोक की सभा	– **लोकसभा**
(ग) भारत का रत्न	– **भारत रत्न**	(घ) जीवन का साथी	– **जीवन साथी**
(ङ) घोड़े पर सवार	– **घुड़सवार**		

2. निम्न शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो–

(क) नौका – **नाव, तरिणी, जलयान**

(ख) हस्त – **पंजा, हथेली, कर**

(ग) परिश्रम – **काम, मेहनत, कड़ी मेहनत**

(घ) विश्वास – **श्रद्धा, आस्था, निष्ठा**

(ङ) हिम्मत – **साहस, हौंसला, वीरता**

(च) कोशिश – **प्रयत्न, उद्‌यम, प्रयास**

3. निम्नलिखित शब्दों को पहचानकर उनके आगे संज्ञा तथा विशेषण शब्द लिखो–

(क) नाविक	– **संज्ञा**	(ख) शक्ति	– **विशेषण**
(ग) कर्तव्यपरायण	– **विशेषण**	(घ) विस्यम	– **विशेषण**
(ङ) गुण	– **विशेषण**	(च) साहसी	– **विशेषण**
(छ) संयमी	– **विशेषण**	(ज) नाव	– **संज्ञा**
(झ) विश्वासी	– **विशेषण**	(ञ) सामाजिक	– **विशेषण**

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) एथेंस यूनान का समृद्ध राज्य था।

(ख) क्रीटो ने सुकरात की शिक्षा की व्यवस्था इसलिए कि क्योंकि उसे विश्वास था कि सुकरात पढ-लिखकर सफल हो जायेगा।

(ग) सुकरात ने ढोंगी विद्‌वानों की कलई खोल कर रख दी।

(घ) चिंतन की परंपरा को आगे बढ़ाने में विश्व इनका सदैव ऋणी रहेगा।

(ङ) सुकरात का सम्मान करने वाले एथेंस के तत्कालीन शासक पेरिक्लीज थे।

2. सोचकर लिखो–

(क) सुकरात का क्रीटो से मिलना एक ऐसा सुखद संयोग था, जिससे समुचित शिक्षा के द्‌वारा सुकरात के ज्ञान में वृद्‌धि हुई, वह हर बात को गहराई से सोचने लगा और हर चीज का अर्थ खोजने लगा। सुकरात अब विद्‌वानों से भी तर्क-वितर्क करने में सक्षम हो गये।

(ख) सुकरात की पत्नी बहुत क्रोधी स्वभाव की थी। एक दिन बोलते-बोलते जब वे थक गईं तो उन्होंने एक बाल्टी पानी लाकर 'निर्विकार' बैठे हुए पति के ऊपर उडेल दिया।

(ग) देश की तत्कालीन प्रथा के अनुसार मृत्युदंड के अपराधी को निश्चित तिथि को जहर का प्याला पिला दिया जाता था। सुकरात ने खुशी से जहर पीना स्वीकार किया।

(घ) एथेंस के नौजवानों को सुकरात का भाषण आकर्षक लगता था, इस कारण वह नौजवानों का चहेता बन गया।

(ङ) एक बार एक विदेशी राजा ने उसे लालच देकर अपने दरबार में बुलाना चाहा परंतु उसने विनम्रतापूर्वक यह कहकर इंकार कर दिया कि दो वक्त की रोटी और झरने के पानी से प्यास बुझ जाती है और तन ढकने के लिए एक लबादा काफी है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) सुकरात के पिता क्या बनाते थे?

खिलौने ☐ मूर्तियाँ ☑ चित्र ☐ फर्नीचर ☐

(ख) सुकरात की बातचीत के विषय क्या थे?

ईश्वर, सृष्टि ☐ धर्म, राजा ☐

प्रशासन, राज-धर्म, प्रजा-धर्म ☐ तीनों सही हैं ☑

(ग) सुकरात के अनुसार देश किससे बढ़कर है?

राजा से ☐ व्यक्ति से ☐ दोनों से ☑ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) सुकरात के अनुसार सच्चा धर्म क्या है?

- अपनी बुद्‌धि का इस्तेमाल ☐
- अपने परिवार समाज और देश के प्रति कर्तव्य का ☑
- दोनों ☐
- इनमें से कोई नहीं ☐

(ङ) उस 'समय' देश की प्रथा के अनुसार मृत्युदंड दिया जाता था?

- फाँसी ☐
- जहर का प्याला पिलाकर ☐
- खौलते कड़ाहे में डालकर ☐
- इनमें से कोई नहीं ☑

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

कलई, सुकरात, चुनौती, ज्ञान, यूनान

(क) एथेंस **यूनान** का एक समृद्‌ध राज्य था।

(ख) सुकरात के प्रश्न उन्हें **चुनौती** लगते।

(ग) सुकरात ने उन ढोंगी विद्‌वानों की **कलई** खोलकर रख दी।

(घ) **यूनान** की प्रसिद्‌धि दिनों-दिन बढ़ने लगी।

(ङ) सुकरात आजीवन **ज्ञान** का उपासक रहा।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

'ही' निपात का प्रयोग करके पाँच वाक्यों का निर्माण करो–

1. आपको कल विद्‌यालय जाना ही होगा।
2. तुम्हें रेलवे स्टेशन आना ही होगा।
3. अजय को पानी पीना ही होगा।
4. विनोद को घर जाना ही पड़ेगा।
5. मरीज को अस्पताल आना ही होगा।

1. पाठ में से छाँटकर निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाओ–

(क) जेल – **शिष्यों ने सुकरात को जेल से भगाने की योजना बनाई।**

(ख) जेलर – **जेलर सुकरात का प्रशंसक था।**

(ग) अन्वेषक – **सत्य का अन्वेषक अन्याय की बलिवेदी पर चढ़ गया।**

(घ) लबादा – **तन ढ़कने के लिए एक लबादी काफी है।**

(ङ) चिर-ऋणी – **चिंतन की परम्परा को आगे बढ़ाने में विश्व इनका चिर-ऋणी रहेगा।**

2. निम्न शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो–

(क) जीवन × **मृत्यु**	(ख) पसंद × **नापसंद**
(ग) उपस्थित × **अनुपस्थित**	(घ) असत्य × **सत्य**
(ङ) प्रशंसक × **निंदक**	(च) धर्म × **अधर्म**

3. निम्नलिखित शब्दों में 'ता' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाओ–

(क) अराजक – **अराजकता**	(ख) महान् – **महानता**
(ग) मित्र – **मित्रता**	(घ) कटु – **कटुता**
(ङ) शत्रु – **शत्रुता**	(च) निकट – **निकटता**

3 हेर-फेर

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) मजदूर गरीब होने के बावजूद अपनी परिस्थिति से संतुष्ट था। इस कारण वह खुश था।

(ख) मजदूर ने रास्ते से हटने के लिए मना किया था इस कारण बारात वालों ने उसे पीटा।

(ग) मजदूर बारात को देखकर सोचने लगा कि हो सकता है कभी उसकी भी बारात जाए।

(घ) धनी व्यक्ति को उस जगह बैठकर ऐसा महसूस हुआ जैसे वह वहाँ पहले भी बैठ चुका है।

2. सोचकर लिखो–

(क) मज़दूर के रूप में उसका जीवन बहुत संघर्षपूर्ण था। वह सारा दिन खून-पसीना एक करके मेहनत करता था। उसके घर में सिवाय उसकी बूढ़ी माँ के और कोई सगा संबंधी नहीं था।

(ख) बारातियों द्वारा पिटने के बाद मजदूर ने भगवान से यह शिकायत की, कि ''हे प्रभो! हमारे पास न धन-दौलत है न नौकर-चाकर। फिर तूने हमें क्यों पैदा किया?

(ग) धनी बनने के बाद उसके रहने के लिए विशाल महल तथा सेवा के लिए दास-दासियाँ, सवारी के लिए घोड़े एवं पालकियाँ थी और लोग उसके सामने सिर झुकाकर आते थे।

(घ) धनी बन जाने के बाद उसके व्यवहार में आया परिवर्तन उचित नहीं था, क्योंकि पहले वह भी गरीब था। व्यक्ति को अपने संघर्ष के समय को नहीं भूलना चाहिए।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) मजदूर की चादर के कोने में कितने पैसे बँधे थे?

कुछ पैसे ☐ 50 पैसे ☑ एक रुपया ☐ दो रुपया ☐

(ख) ब्याह की सारी कल्पना किसमें मिल गई थी?

रेत में ☐ मिट्टी में ☑ पानी में ☐ किसी में नहीं ☐

(ग) बारात वालों ने उसे पीट कर कहाँ फेंक दिया?

झाड़ियों में ☑ जंगल में ☐ नदी में ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) धनी व्यक्ति किस पर सवार होकर घर लौट रहा था?

घोड़े पर ☐ रथ पर ☐ पालकी पर ☑ हाथी पर ☐

(ङ) मजदूर अब क्या बन गया था?

रईस ☑ नेता ☐ डॉक्टर ☐ डाकू ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

प्रकाश, संदूकों, बारात, गलीचे, मिट्टी

(क) सामने से एक **बारात** आ रही थी।

(ख) ब्याह की सारी कल्पना **मिट्टी** में मिल गई।

(ग) बारात के बाजों का शोर धीरे-धीरे दूर जाकर शहर के **प्रकाश** में गायब हो गया।

(घ) उसके **संदूकों** में रुपये और मोहरें थी।

(ङ) नौकरों ने सड़क के किनारे **गलीचे** बिछा दिए।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिए गए शब्दों का विग्रह करो—

(क) खून-पसीना – **खून और पसीना**

(ख) फटी-पुरानी – **फटी तथा पुरानी**

(ग) धन-दौलत – **धन** अथवा **दौलत**

(घ) दास-दासियाँ – **दास तथा दासियाँ**

(ङ) महल-अटारियाँ – **महल और अटारियाँ**

(च) आना-जाना – **आना तथा जाना**

(छ) इधर-उधर – **इधर अथवा उधर**

(ज) जी-जान – **जी और जान**

2. निम्नलिखित के समानार्थी शब्द लिखो—

(क) खून – **रक्त, लहू**

(ख) विश्व – **जगत, संसार**

(ग) घर – **गृह, आवास**

(घ) दास – **सेवक, नौकर**

3. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद करो—

(क) अतीव – **अति + इव**

(ख) वीरांगना – **वीर + अंगना**

(ग) सूक्ति – **सू + उक्ति**

(घ) वेदांत – **वेद + अंत**

(ङ) कपीश – **कप + ईश**

(च) मरणासन्न – **मरण + आसन्न**

4. निम्नलिखित सन्धि-विच्छेद की सन्धि करो—

(क) एक + एक – **एकैक**

(ख) मत + ऐक्य – **मतैक्य**

(ग) सर्व + उदय – **सर्वोदय**

(घ) पर + उपकार – **परोपकार**

(ङ) गंगा + एव – **गंगैव**

4 शरणागत की रक्षा

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ—

(क) राणा हम्मीर रणथंभौर के राजा थे।

(ख) माहमशाह राणा हम्मीर के पास अपने प्राणों की रक्षा करने के लिए आया था।

(ग) स्त्रियों ने फैसला किया कि वे किले के द्वार खुलने से पहले जौहर कर लेंगी।

(घ) हम्मीर शरण में आए शरणार्थियों की रक्षा करना अपना परम कर्तव्य इसलिए समझता था क्योंकि शरणार्थी की रक्षा राजपूतों का कर्तव्य था।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) माहमशाह अलाउद्दीन खिलजी की सेना का भगोड़ा सिपाही था। उसने अपना परिचय दिया– मेरा नाम माहमशाह, काम सिपाहीगिरी, बादशाह अलाउद्दीन खिलजी का खादिम।

(ख) माहमशाह से मिलने पर राणा हम्मीर ने उससे पहला प्रश्न किया ''कौन हो तुम'' माहमशाह ने उत्तर दिया ''महाराज!'' मैं दुखिया हूँ, मेरे प्राण संकट में हैं और मैं आपकी शरण में आया हूँ।''

(ग) हम्मीर के सलाहकार माहमशाह को शरण देने के पक्ष में नहीं थे क्योंकि माहमशाह को शरण देकर दिल्ली का बादशाह अलाउद्दीन खिलजी नाराज हो जायेगा।

(घ) हम्मीर शरण में आए शरणार्थियों की रक्षा करना अपना परम कर्तव्य समझते थे।

(ङ) खिलजी का आखिरी संदेश यह था कि– लड़ाई झगड़े से क्या फायदा? हम्मीर! लाओ, माहम को मुझे सौंप दो।''

(च) अलाउद्दीन के संदेश के उत्तर में हम्मीर ने कहा ''अपना सर्वस्व लुटाकर भी शरणागतों की रक्षा करना मेरी जाति के संस्कार हैं। सपने में भी उम्मीद न रखिएगा कि माहम को मैं दरवाजे लाऊँगा। अब जो मुनासिब समझें, कीजिए।''

3. **सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–**

(क) माहमशाह ने अपना काम क्या बताया?

बंदूकगिरी ☐ उठाईगिरी ☐ सिपाहीगिरी ☑ दादगिरी ☐

(ख) माहमशाह किसके राज्य से भागकर आया था?

शेरशाह सूरी के ☐ टीपू सुल्तान के ☐

अलाउद्दीन खिलजी के ☑ अकबर के ☐

(ग) रणथंभौर वालों के लिए युद्ध किसका यज्ञ था?

पूर्णाहुति का ☐ आत्मदान का ☐ प्रतिष्ठा का ☑ वीरता का ☐

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–**

अनुत्साहित, भावुकता, मुसलमान, माहमशाह, आत्माहुति

(क) हम्मीर ने आँखें ऊपर करके देखा कि एक बहादुर **मुसलमान** उनके सामने था।

(ख) हम्मीर ने गौर से **माहमशाह** को देखा।

(ग) हम्मीर ने अपने सलाहकारों को देखा और **अनुत्साहित** पाया।

(घ) इस युद्ध का स्पष्ट अर्थ था– **आत्माहुति** , सर्वस्व–समर्पण।

(ङ) **भावुकता** का ऐसा ज्वार विश्व के इतिहास में शायद ही और कहीं आया हो।

5. **किसने–किससे कहा?**

	किसने कहा?	**किससे कहा?**
(क) ''मैं आपकी शरण में आया हूँ, महाराज!''	**माहमशाह ने**	**हम्मीर देव से**
(ख) ''कर्तव्य की सीमा है– कर्तव्य–पालन।''	**हम्मीर देव ने**	**सरदारों से**
(ग) ''कोई कष्ट हो तो हमें कहना, जाओ।''	**हम्मीर देव ने**	**माहमशाह से**
(घ) ''सपने में भी उम्मीद न रखिएगा कि माहम को मैं आपके दरवाज़े लाऊँगा।''	**हम्मीर देव ने**	**अलाउद्दीन से**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. **निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार बदलो–**
   (क) लड़ाई चलती रही और सिपाही व सामान घटते रहे।
   (ख) उस दिन हम्मीर के सोचते-सोचते माहमशाह आकर खड़े हो गए माहमशाह आकर खड़े हो गए।
   (ग) हम्मीर ने अपने सलाहकारों को देखा तो उन्हें अनुत्साहित पाया।
   (घ) हम्मीर ने आँखे ऊपर उठाकर एक बहादुर मुसलमान को अपने सामने देखा।
   (ङ) जैसे ही किले का द्वार खुला रणथंमौर के योद्धा रण में कूद पड़े।

2. **निम्नलिखित एक शब्द को अनेक शब्दों (वाक्यांश) में बदलो–**

(क) योद्धा	–	**युद्ध करने वाला**	(ख) नौकर	–	**नौकरी करने वाला**
(ग) भंडारी	–	**भोजन बनाने वाला**	(घ) समर्थक	–	**समर्थन करने वाला**
(ङ) शरणार्थी	–	**शरण में जाने वाला**	(च) बादशाह	–	**शासन करने वाला**
(छ) अदृश्य	–	**जो दिखाई न दे**	(ज) निर्दयी	–	**जिसके अंदर दया न हो**

3. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करो–**

शब्द		संधि-विच्छेद	शब्द		संधि-विच्छेद
(क) परमार्थ	=	**परम + अर्थ**	(ख) महात्मा	=	**महान + आत्मा**
(ग) सत्याग्रह	=	**सत्य + आग्रह**	(घ) वातावरण	=	**वात + आवरण**
(ङ) सहानुभूति	=	**सहा + अनुभूति**			

4. **'आत्मदान' दो शब्दों के मेल से बना है, जिसका अर्थ है– 'आत्म यानी स्वयं का दान' (त्याग)। पाठ में से ऐसे ही पाँच अन्य शब्द छाँटकर दिए गए उदाहरण अनुसार लिखिए–**

(क) **सिपाहीगिरी**	**सिपाही का कार्य करने वाला**
(ख) **अनुत्साहित**	**उत्साह से रहित**
(ग) **रण-दुंदभि**	**युद्ध के नगाड़े**
(घ) **शरणागत**	**शरण में आने वाला**
(ङ) **क्रोधाग्नि**	**क्रोध की आग**

5 सच्चे शिष्य बनने के गुण

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**
   (क) कर्मवीर भाग्य के भरोसे नहीं रहते हैं।

(ख) कर्मवीर चिलचिलाती धूप को चाँदनी बना देते हैं।

(ग) वीर पुरुष हँस-हँस कर लोहे के चने चबाते हैं।

(घ) वीर पुरुष अन्य व्यक्तियों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं।

(ङ) कर्मवीर के कामों में सैकड़ों विरोधी अड़चनें डालते हैं।

2. सोचकर लिखो—

(क) नहीं, कर्मवीर भाग्य के भरोसे नहीं रहते क्योंकि यदि वे भाग्य के भरोसे रहे तो उन्हें बाद में पछताना पड़ेगा। इसलिए वे कर्म के भरोसे रहते हैं।

(ख) कर्मवीर जो सोचते और कहते हैं उसे करते हैं क्योंकि वे अपनी सहायता स्वयं करते हैं।

(ग) कर्मवीर अपनी इच्छा शक्ति और मेहनत से अपने बुरे दिनों को भी भला बना देते हैं।

(घ) कर्मवीर काम को आरम्भ करके बीच में नहीं छोड़ते हैं क्योंकि कार्य को पूर्ण किए बिना उन्हें शांति नहीं मिलती।

(ङ) कर्मवीर अपनी मेहनत, लगन, समर्पण व निरंतर प्रयासरत रहने के कारण दूसरों के लिए आदर्श बन जाते हैं।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) कर्मवीर किसको देखकर नहीं घबराते?

चट्टानों को [ ] नदियों को [ ] बाधाओं को [✓] जानवरों को [ ]

(ख) ये काम करने की जगह क्या नहीं बनाते?

बातें [✓] चाय [ ] खाना [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

(ग) ये काम पड़ने पर किसका सामना करने को तैयार रहते हैं?

हाथी [ ] शेर [✓] चीता [ ] लोमड़ी [ ]

(घ) कर्मवीर 'आजकल' करते हुए क्या नहीं बिताते हैं?

साल [ ] दिन [✓] सप्ताह [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

4. आशय स्पष्ट करो—

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि चाहे किसी भी प्रकार की समस्या हो और कितनी भी बड़ी बाधा हो उससे विचलित नहीं होते।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि वे दूसरे व्यक्तियों के लिए अपने कार्यों के माध्यम से प्रेरणा बन जाते हैं।

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो—

(क) भूलकर वे दूसरों का, **मुँह कभी तकते नहीं**,
कौन ऐसा काम है, वे कर जिसे सकते नहीं।

(ख) जो कि हँस-हँस के, **चबा लेते हैं लोहे का चना**,
है कठिन कुछ भी नहीं, जिनके है जी में यह ठना।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. वाक्य को पहचानकर उसके काल का नाम बताओ—

(क) बहुत-से विद्यार्थी विविध बाधाओं को देखकर घबरा जाते थे **भूत काल**

(ख) वह सदा सब की सुनेगा। **भविष्यत् काल**

(ग) वह सारा काम कर रहा है। **वर्तमान काल**

(घ) वह उस काम को फिर करेगा। **भविष्यत् काल**

(ङ) वे आज-कल करते हुए दिन नहीं गँवाते थे। **भूत काल**

2. **निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक-एक शब्द लिखो–**

(क) जिसमें जानने की इच्छा हो **जिज्ञासु**

(ख) जहाँ जाने में कठिनाई हो **दुर्गम**

(ग) जहाँ पहुँचा न जा सके **अगम्य**

(घ) जिसे किसी विषय की जानकारी न हो **अज्ञानी**

(ङ) जिसे जीता न जा सके **अजेय**

3. **निम्नलिखित के वचन बदलो–**

(क) बाधाएँ – **बाधा** (ख) नमूने – **नमूना**

(ग) बातें – **बात** (घ) सपूतों – **सपूत**

4. **निम्नलिखित के लिंग बदलो–**

(क) वीर – **वीरांगना** (ख) अध्यापक – **अध्यापिका**

(ग) कवि – **कवयित्री** (घ) सुनार – **सुनारिन**

(ङ) लेखिका – **लेखक**

6 समय का सदुपयोग

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) मनुष्य प्रयत्न और पुरुषार्थ से सब कुछ प्राप्त कर सकता है।

(ख) समय ऐसी चीज है जिसे खोने के बाद पाया नहीं जा सकता।

(ग) भक्ति साधना द्वारा परमात्मा का साक्षात्कार किया जा सकता है।

(घ) समय-नियोजन के अनुसार काम करने से सभी काम सुचारू रूप से निश्चित समय पर अनायास होते चले जाते हैं।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) गाँधी जी की दिनचर्या बड़ी व्यस्त थी। दर्शनार्थियों से मिलना, देश-विदेश के अनेक पेचीदा मामलों में विचार-विनिमय होता, अखबारों के लिए लेख लिखना किन्तु न तो गाँधी जी के प्रार्थना सभा के कार्यक्रम में हेर-फेर होता है और न उनके प्रातः भ्रमण में ही बाधा आती।

(ख) नेहरू जी का समय-नियोजन बहुत प्रभावशाली था। दिनभर लोगों से मिलना, सभा-समितियों में जाना, गंभीर समस्याओं पर सहकर्मियों से विचार-विमर्श करना आदि। इन सबके बीच वे अपने दैनिक व्यायाम और मनोरंजन के लिए भी समय निकाल लेते थे।

(ग) हम अक्सर समय के अभाव की वजह से कार्य न कर पाने की शिकायत करते हैं। जैसे– कसरत नहीं कर सका, पत्र का उत्तर न दे सका, पढ़ाई-लिखाई का समय नहीं मिलता आदि।

(घ) विद्यार्थियों के लिए समय-नियोजन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि विद्यार्थी जीवन में जो आदतें पड़ जाती हैं वे जीवन पर्यन्त बनी रहती हैं। यदि विद्यार्थी समय-नियोजन को अपने जीवन का हिस्सा बनाए तो उनके जीवन के प्रत्येक पक्ष का विकास होगा।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) समय का बजट बना करके हमें क्या प्राप्त होता है?

सुख ☐ समृद्धि ☐ दोनों ☑ इनमें से कोई नहीं ☐

(ख) खाली दिमाग किसका घर होता है?

हैवान का ☐ शैतान का ☑ देवता का ☐ किसी का नहीं ☐

(ग) प्रतिदिन होने वाला कार्य कहलाता है–

मासिक ☐ साप्ताहिक ☐ दैनिक ☑ वार्षिक ☐

(घ) कौन किसी की प्रतीक्षा नहीं करता?

धन ☐ विद्या ☐ सागर की लहरें ☐ समय ☑

(ङ) हम जीवन में क्या चाहते हैं?

सुख ☐ समृद्धि ☐ शांति ☐ तीनों ☑

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

समय, दुरुपयोग, निष्प्रयोजन, सफलता, पुरुषार्थ

(क) प्रयत्न और **पुरुषार्थ** से सभी कुछ पाया जा सकता है।

(ख) **समय** परमात्मा से भी महान् है।

(ग) समय का **दुरुपयोग** करना जीवन को नष्ट करना है।

(घ) मनुष्य लंबे समय तक **निष्प्रयोजन** खाली नहीं बैठा रह सकता।

(ङ) निर्धारित समय पर निश्चित काम करने से ही जीवन में **सफलता** मिलती है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ–

(क) साथ – **तुम मेरे साथ चलो।**

सात – **उसने परीक्षा में सात अंक प्राप्त किये।**

(ख) बाद – **वह तुमसे बाद में मिलेगा।**

वाद – **सोनू का कार्यालय में वाद-विवाद हो गया।**

(ग) तय – **अमित ने तय किया है कि वह कल से विद्यालय जाएगा।**

तह – **पुलिस इस मामले की तह तक जाएगी।**

(घ) पर – **वह छत पर बैठा है।**
पर – **सुमित तो मान गया पर उसका भाई नहीं माना।**
(ङ) उदार – **वह बहुत उदार हृदय हैं।**
उधार – **दीपक ने मुझसे एक हजार रुपये उधार लिए थे।**
(च) सुर – **संगीत में सुर का बड़ा महत्व है।**
सूर – **सूरदास जी एक महान कवि थे।**

2. निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक शब्द लिखो–

(क) सभी मंत्रियों में प्रधान **प्रधानमंत्री**
(ख) जो ईश्वर में विश्वास रखता हो **आस्तिक**
(ग) प्रतिदिन होने वाला **दैनिक**
(घ) जहाँ पहुँचना सरल हो **सुगम**
(ङ) जो सब कुछ जानता हो **सर्वज्ञाता**

3. निम्नलिखित शब्दों के एकवचन लिखो–

(क) बाधाएँ – **बाधा** (ख) अंकों – **अंक**
(ग) कोने – **कोना** (घ) आदतें – **आदत**
(ङ) मंजिलें – **मंजिल**

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो–

(क) प्रमाणित – **अप्रमाणित** (ख) सतत् – **अव्यवस्थित**
(ग) सतर्कता – **असावधानी** (घ) विषम – **अनुकूल**

7 प्रदूषित वातावरण

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान में विश्व-व्यापी समस्या बनकर विकराल रूप धारण कर चुका है।

(ख) पर्यावरण प्रदूषण के लिए हमारी औद्योगिक और वैज्ञानिक प्रगति तथा मनुष्य का अविवेकपूर्ण आचरण ही जिम्मेदार है।

(ग) प्रदूषण मानवता के अस्तित्व पर एक नँगी तलवार की भाँति लटक रहा है।

(घ) भोपाल में 3 दिसम्बर 1984 को विनाशकारी दुर्घटना हुई थी। जिसमें यूनियन कार्बाइड द्वारा संचालित संयत्र से निकली प्राणघातक गैस ने वातावरण में फैलकर लगभग 4000 लोगों को मौत की नींद सुला दिया था।

(ङ) पेड़ों में कार्बन डाई-ऑक्साइड गैस को अवशोषित करने की क्षमता होती है।

2. सोचकर लिखो—

(क) मानव स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिजलीघर, उर्वरक, सीमेंट, पीड़ानाशी बनाने वाले उद्योग अथवा घना धुआँ तथा जहरीली गैस छोड़ने वाले उद्योग सदैव मानव आबादी से दूर लगाए जाने चाहिए।

(ख) भोपाल गैस कांड के परिणामस्वरूप वहाँ के 4000 निवासियों की मृत्यु हो गयी और शहर के जीवित बचे हुए बहुत सारे लोगों को अंधा व अपंग कर दिया।

(ग) जहरीली गैसों, राख और मिट्टी के कणों से युक्त इस दूषित हवा में हमारे द्वाार साँस लेने से प्रदूषक हमारे शरीर में पहुँच जाते हैं।

(घ) सबसे पहला और सबसे आवश्यक नियम हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जलाने की क्रिया अधूरी न हो। ज्यादा से ज्यादा दहन से धुएँ की मात्रा घटाई जा सकती है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) भोपाल गैस कांड कौन-से सन् में हुआ था?

1985 ई० [ ] 1984 ई० [✓] 1980 ई० [ ] 1981 ई० [ ]

(ख) सदियों से मनुष्य किसकी दलीलों को अनसुना करता आया है?

राजाओं की [ ] विद्वानों की [✓]

किसानों की [ ] इनमें से किसी की नहीं [ ]

(ग) मनुष्य किसके बिना एक मिनट भी जिंदा नहीं रह सकता?

भोजन [ ] पानी [ ] साँस [✓] पेड़-पौधे [ ]

(घ) नई-नई प्रौद्योगिकियों के प्रसार के कारण पैदा होने वाले उत्पादों से हमारी हवा कैसी होती जा रही है?

शुद्ध [ ] जहरीली [✓] स्वच्छ [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

अवशोषित, उद्योग, परिवेश, दहन, अस्तित्व

(क) पर्यावरण का तात्पर्य हमारे चारों ओर के **परिवेश** से है।

(ख) प्रदूषण मानवता के **अस्तित्व** पर एक नंगी तलवार की भाँति लटक रहा है।

(ग) आजकल शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक **उद्योग** स्थापित हुए हैं।

(घ) ज्यादा से ज्यादा **दहन** से धुएँ की मात्रा घटाई जा सकती है।

(ङ) पेड़ों में कार्बन डाई-ऑक्साइड को **अवशोषित** करने की क्षमता होती है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं उन्हें 'अनेकार्थी' शब्द कहा जाता है।

जैसे– 'नव' शब्द का अर्थ 'नया' और 'नवीन' दोनों हैं। प्रसंग से अर्थ को जाना जाता है।

नीचे दिए गए अनेकार्थी शब्दों का अलग-अलग अर्थों में वाक्य प्रयोग करो—

(क) मान – **बच्चों को बड़ों का मान-सम्मान करना चाहिए।**

मान – **गणित में संख्याओं का मान ज्ञात किया जाता है।**

(ख) पर – **रवि तो आगया पर उसके पिताजी नहीं आये।**
पर – **घायल होने पर उपचार करना चाहिए।**
(ग) जग – **सारा जगत ईश्वरीय शक्ति को मानता है।**
जग – **पहलवान दो जग दूध का सेवन करते हैं।**
(घ) फल – **मेहनत का फल अवश्य मिलता है।**
फल – **फल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं।**
(ङ) मत – **इस मामले में उनका मत संतोषजनक नहीं है।**
मत – **प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।**

1. **अज्ञान में 'अ' उपसर्ग जुड़ा है, 'अ' का अर्थ है– 'नहीं'**
नीचे दिए गए शब्दों में 'अ' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाओ–
(क) अ + शांत – **अशांत** (ख) अ + मर्यादित – **अमर्यादित**
(ग) अ + मानवीय – **अमानवीय** (घ) अ + मानुष – **अमानुष**
(ङ) अ + नियंत्रित – **अनियंत्रित**

2. **नीचे दिए गए विशेषण शब्दों के साथ प्रविशेषण शब्द लगाकर वाक्यों में प्रयोग करो–**
(क) भयंकर – **प्रदूषण अब बहुत भयंकर रूप ले चुका है।**
(ख) गंभीर – **प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो गई है।**
(ग) समुद्री – **ऊँची समुद्री लहरों में जहाज के डूबने का खतरा बढ़ जाता है।**
(घ) जहरीली – **वायुमण्डल की हवा अत्यधिक जहरीली हो गई है।**

3. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–**
(क) पानी – **नीर** (ख) मनुष्य – **मानव**
(ग) जिंदा – **जीवित** (घ) मृत्यु – **देहांत**
(ङ) वायु – **पवन**

8 भोलाराम का जीव

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**
(क) भोलाराम के मरने का सही कारण रिटायरमेंट के बाद पेंशन का न मिलता था।
(ख) फाइल में से जो आवाज आई, वह भोला राम की थी।
(ग) यमदूत इसलिए बदहवास था क्योंकि भोलाराम का जीव उसको चकमा देकर गायब हो गया था।
(घ) नारद सरकारी दफ्तर में भोलाराम की पेंशन दिलवाने के लिए गए थे।

2. सोचकर लिखो–

(क) नरक में बड़े गुणी कारीगर, इमारतों के ठेकेदार आ गए थे जिन्होंने पूरे पैसे लेकर रद्दी इमारतें बनाई थीं।

(ख) धर्मराज ने नारद मुनि को बताया कि भोलाराम का जीव दूत को चकमा देकर चला गया।

(ग) चित्रगुप्त ने भोलाराम के जीव की लापता होने की शंका व्यक्त की। उनके अनुसार भोलाराम के जीव ने पाँच दिन पहले देह त्यागी परन्तु यहाँ अभी तक नहीं पहुँचा।

(घ) फाइल पर 'वजन' रखने से आशय यह है कि सरकारी कार्यालयों में अपना कार्य शीघ्र कराने के लिए सुविधा शुल्क अर्थात् रिश्वत से है।

(ङ) भोलाराम जबलपुर शहर में किराये के मकान में रहते थे, उनके दो बेटे व एक बेटी थी वे सरकारी नौकर थे। वे पाँच साल पहले रिटायर्ड हो गये थे किन्तु अभी तक पेंशन नहीं मिली थी। उन पर मकान मालिक का एक साल का किराया बाकि था। जिसे चुकाने में वे असमर्थ थे।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) नरक में किसकी समस्या हल नहीं हुई?

अन्न-पानी ☐ कपड़ा-भोजन ☐ निवास-स्थान ☑ रोटी-दाल ☐

(ख) स्त्री के कहने पर नारद जी कहाँ गए?

स्वर्ग ☐ सरकारी दफ़्तर ☑ घर ☐ बैंक ☐

(ग) भोलाराम की दरख्वास्तों पर क्या नहीं रखा था?

पेपरवेट ☐ वीणा ☐ वज़न ☑ कलम ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

कारीगर, नारद, बदहवास, क्रंदन, ब्रह्मांड

(क) इसी समय द्वार खुले और एक यमदूत बड़ा **बदहवास** वहाँ आया।

(ख) इन पाँच दिनों में मैंने सारा **ब्रह्मांड** छान डाला, पर उसका कहीं पता नहीं चला।

(ग) इसी समय कहीं से घूमते-घूमते **नारद** मुनि वहाँ आ गए।

(घ) नरक में पिछले सालों में बड़े गुणी **कारीगर** आ गए हैं।

(ङ) माँ-बेटी के सम्मिलित **क्रंदन** से ही नारद भोलाराम का मकान पहचान गए।

5. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर 'सही' अथवा 'गलत' लिखो–

(क) भोलाराम सरकारी नौकर था। **सही**

(ख) भोलाराम का जीव रास्ते में चकमा देकर भाग गया। **सही**

(ग) भोलाराम को गरीबी की बीमारी थी। **सही**

(घ) दरख्वास्तें पेपरवेट से दब जाती हैं। **गलत**

(ङ) भोलाराम का परिवार के बाहर भी लगाव था। **गलत**

(च) भोलाराम का मन पेंशन की दरख्वास्तों में लगा था। **सही**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित सामासिक शब्दों के उचित विग्रह करो—

(क) आजन्म – **जन्म से**

(ख) यथासंभव – **जितना संभव हो सके**

(ग) यथाशीघ्र – **शीघ्रता से**

(घ) बेमतलब – **बिना मतलब के**

2. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करो—

(क) धरमराज – **धर्मराज**

(ख) विणा-वादन – **वीणा-वादन**

(ग) रजीस्टर – **रजिस्टर**

(घ) वासतविक – **वास्तविक**

(ङ) बहमाड़ – **ब्रह्मांड**

(च) सटेशनरी – **स्टेशनरी**

(छ) सम्मीलत – **सम्मिलित**

(ज) निशचित – **निश्चित**

3. निम्नलिखित श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ स्पष्ट करते हुए सार्थक वाक्य बनाइए—

(क) परिमाण – **आपको अत्यधिक परिमाण में पानी की आवश्यकता पड़ेगी।**

परिणाम – **इस गलती के गंभीर परिणाम हो सकते है।**

(ख) चकमा – **चोर पुलिस को चकमा देकर भाग गया।**

चश्मा – **मोबाइल के अधिक प्रयोग से बच्चों को छोटी उम्र में ही चश्मा लग जाता है।**

(ग) कम – **चाय में चीनी कम थी।**

काम – **क्या सौरभ को तुमसे कुछ काम है?**

(घ) दम – **इस मामले में सरकार ने दम साध रखे हैं।**

दाम – **वस्तुओं के दाम बढ़ने लगे हैं।**

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो—

(क) कुरूप × **रूपवान**

(ख) सज्जन × **दुर्जन**

(ग) स्वर्ग × **नरक**

(घ) नाराज़ × **खुश**

(ङ) गुप्त × **प्रकट**

(च) समझदार × **मूर्ख**

(छ) मृत्यु × **जीवन**

(ज) पाप × **पुण्य**

5. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो—

(क) हाथ – **भुजा कर पाणि**

(ख) घर – **आवास भवन निकेतन**

(ग) पृथ्वी – **भूमि अचला अनंता**

(घ) माँ – **माता मातृ जननी**

9 जलियाँवाला बाग में वसंत

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) जलियाँवाला बाग में पौधे व पुष्प सूख गये हैं।

(ख) कवयित्री ने ऐसे पुष्प साथ लाने के लिए कहा है जिनकी खुश्बू धीमी हो, ओस से कुछ भीगे हुए दिखने में भले ही कम आकर्षक क्यों न हों।

(ग) कोमल बालकों के लिए ऋतुराज से कलियाँ लाने के लिए कहा गया है।

(घ) भ्रमर कष्टों की कथा सुना रहे हैं।

2. सोचकर लिखो–

(क) कवयित्री ऋतुराज को धीरे-से इसलिए बुला रही है क्योंकि यह स्थान शो का स्थान है और यहाँ पर बहुत से वीरों का खून पड़ा हुआ है।

(ख) कवयित्री वायु को मंद चाल से चलाने की बात कह रही है क्योंकि वे नहीं चाहती कि वायु दुख की यादों को अपने साथ उड़ाकर ले जाए।

(ग) कवयित्री के अनुसार जो बालक यहाँ पर गोली लगने के कारण असमय मृत्यु को प्राप्त हुए उनके लिए थोड़ी कलियाँ लाने के लिए कह रही है।

(घ) जलियाँवाला बाग में वृद्धों ने गोलियाँ लगने की वजह से तड़प-तड़पकर अपने प्राणों को त्याग दिया।

(ङ) जलियाँवाला बाग को शोक स्थान इसलिए कहा गया है क्योंकि वहाँ पर बहुत दुःखदायी घटना घटित हुई थी। इस घटना में सैकड़ों छोटे-छोटे बच्चों और वृद्धों की गोली लगने से तड़प-तड़पकर मृत्यु हो गयी थी।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) बाग में कौन शोर मचा रहा है?

कौए [✓] चिड़ियाँ [ ] तोते [ ] कबूतर [ ]

(ख) वायु को किस गति से चलने के लिए कहा गया है?

तीव्र [ ] मंद [✓] मध्यम [ ] इनमें से कोई नहीं [ ]

(ग) जलियाँवाला बाग कैसा स्थान है?

ध्यान-स्थान [ ] पुण्य-स्थान [ ] शोक-स्थान [✓] रमणीय स्थान [ ]

4. आशय स्पष्ट करो–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि अब यहाँ पर कोयल के स्थान पर कौए शोर मचा रहे हैं और काले कीट भौंरो के होने का भ्रम फैला रहे हैं।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि ऐसे फूलों को लाना जो अत्यधिक आकर्षक न हों, उनकी महक भी कम हो और ओस में थोड़े भीगे हुए हों।

5. **कविता की पंक्तियों को पूरी करो—**

(क) कलियाँ भी अधखिली, **मिली हैं, कंटक कुल से।**

वे पौधे, वे पुष्प, शुष्क हैं अथवा झुलसे।।

(ख) यह सब करना, **किंतु बहुत धीरे से आना।**

यह है शोक-स्थान, यहाँ मत शोर मचाना।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. **निम्नलिखित वाक्यों के सामने उनके काल लिखो—**

(क) तुम कहाँ जा रहे हो? – **वर्तमान काल**

(ख) हम कल एक पार्टी रखेंगे। – **भविष्यत् काल**

(ग) मैं कल बाज़ार गया था। – **भूत काल**

(घ) तुम बड़े होकर क्या बनोगे? – **भविष्यत् काल**

अब तीनों कालों से दो-दो वाक्य बनाकर लिखो—

(क) भूत काल – **हम कल बाजार गए थे।**
– **बच्चे कल विद्यालय गए थे।**

(ख) वर्तमान काल – **रमेश गाना गा रहा है।**
– **अमन खाना खा रहा है।**

(ग) भविष्यत् काल – **बच्चे कल पार्क में खेलने जाएँगे।**
– **संदीप कल चिकित्सक के पास अपनी माताजी दिखाने जाएगा।**

2. **निम्नलिखित नकारात्मक वाक्यों को सकारात्मक रूप में लिखो—**

(क) यहाँ काक शोर मचाते हैं।
(ख) वायु को मंद चाल से चलाना।
(ग) यहाँ अधिक सजीले पुष्प लाना।
(घ) तुम यहाँ बहुत धीरे मत आना।

3. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखो—**

(क) तुम्हें किससे बात करनी है?
(ख) वायु मंद चाल से चलती है।
(ग) मुझे कविताओं की एक पुस्तक ला दीजिए।
(घ) आपत्तियों और बाधाओं से मत डरो।
(ङ) दस बजने में बीस मिनट हैं।

4. **निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो—**

(क) कोयल	–	**कोकिला**	**सारिका**	**वनप्रिया**
(ख) बाग	–	**उद्यान्**	**हरियाली**	**बगिया**
(ग) वायु	–	**समीर**	**हवा**	**अनिल**
(घ) भ्रमर	–	**भँवरा**	**शिलीमुख**	**तीर**
(ङ) पुष्प	–	**सुमन**	**फूल**	**प्रसून**

10 कर्तव्य

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ—

(क) तीनों व्यक्तियों की मृत्यु एक तरह सोते समय हुई। राजा के महल में साधु की कुटियाँ में, किसान के खेत में।

(ख) साधु की अंतिम इच्छा थी कि कुटी में ही उसकी समाधि बनाई जाए।

(ग) किसान ने जीवनभर खेतों में कार्य किया, न शास्त्र पढ़ सका न मंदिर बनवा सका, भजन कीर्तन का समय नहीं मिला। इन कारणों से किसान अपने आपको स्वर्ग का अधिकारी नहीं मानता था।

(घ) साधु ब्राह्मण कुल में जन्मा था।

2. सोचकर लिखो—

(क) राजा और साधु अपने को स्वर्ग का अधिकारी इसलिए मानते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि उन्होंने बहुत अच्छे कर्म किए हैं।

(ख) साधु और राजा ने अपने मुख्य कर्तव्यों की अवहेलना की थी। साधु ने जिस समय घर छोड़ा उस समय उनके माता-पिता को सेवा की आवश्यकता थी। राजा ने प्रजा पालन की ओर ध्यान न देकर अपनी यश कीर्ति की ओर अधिक ध्यान दिया।

(ग) चित्रगुप्त द्वारा अपने-अपने भाग्य का निर्णय सुनकर तीनों ठगे रह गये क्यांकि उन्हें आशाओं के विपरीत परिणाम प्राप्त हुए थे।

(घ) राजा, साधु और किसान ने अपने-अपने स्थानों में देखा कि उनके सगे-संबंधी तथा मित्र उनका स्मरण करने के स्थान पर अपने-अपने कार्यों में व्यस्त थे।

(ङ) आँखें खोलने पर राजा घोर यातनाओं में खड़े थे, साधु के आगे सिर्फ काला अंधकार था और किसान के आगे फलदार पेड़ों की एक राह थी।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) राजा ने अपनी स्मृति के लिए क्या बनवाया था?
बगीचा ☐ तालाब ☐ इमारत ☑ मंदिर ☐

(ख) कुटिया में किसकी मृत्यु हुई?
राजा ☐ साधु ☑ किसान ☐ तीनों ☐

(ग) किसान कहाँ जाने का अधिकारी था?
स्वर्ग में ☑ नरक में ☐ दोनों में ☐ किसी में नहीं ☐

(घ) राजा का असली कर्तव्य क्या होता है?
प्रजा का पालन करना ☑ मंदिर बनवाना ☐
इमारतें बनवाना ☐ ऐशो-आराम की जिंदगी जीना ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

ताड़, बही-खाते, गीता-रामायण, किसान, कोहराम

(क) राजा के मरने पर नगरभर में **कोहराम** मच गया।

(ख) राजपंडितों द्वारा **गीता-रामायण** का पाठ शुरू कर दिया गया।

(ग) यमराज उन तीनों के मन के भाव **ताड़** गए।

(घ) चित्रगुप्त ने अपने **बही-खाते** के पन्ने उल्टे-पलटे।

(ङ) **किसान के** आगे फलदार पेड़ों की एक राह थी।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

निम्नलिखित समस्त पदों के विग्रह बनाओ—

(क) नवग्रह – **नौ ग्रहों का समूह**

(ख) त्रिलोक – **तीन लोकों का समूह**

(ग) चतुर्मुख – **चार मुखों वाला**

(घ) पंचतंत्र – **पाँच तंत्रों का समूह**

(ङ) सप्तसिंधु – **सात सिंधुओं का समूह**

(च) नवरत्न – **नौ रत्नों का समूह**

(छ) चारपाई – **चार पैरों का समाहार**

(ज) नवनिधि – **नौ निधियों का समूह**

जब दोनों पद प्रधान होते हैं, समस्त पद में प्रायः संयोजक चिह्न (–) लगा रहता है तब 'द्वंद्व समास' होता है। इसमें दोनों पदों को जोड़ने वाले समुच्चयबोधक अव्यय का लोप हो जाता है। विग्रह करने पर 'और', 'एवं', 'तथा', 'या' आदि लगता है। जैसे– माता-पिता – माता और पिता

इसी तरह निम्नलिखित समस्तपदों के विग्रह करो—

(क) दान-पुण्य – **दान व पुण्य**

(ख) भजन-कीर्तन – **भजन और कीर्तन**

(ग) रात-दिन – **रात और दिन**

(घ) बही-खाता – **बही तथा खाता**

(ङ) रोना-पीटना – **रोना एवं पीटना**

(च) देवी-देवता – **देवी और देवता**

(छ) पूजा-अर्चना – **पूजा एवं अर्चना**

(ज) जीवन-मरण – **जीवन या मरण**

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो—

(क) महल – **राजनिवास**

(ख) आकर्षण – **वश में करना**

(ग) यातना – **कष्ट**

(घ) जीवन – **जीविका**

(ङ) चाह – **कामना**

(च) मृत्यु – **देहांत**

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो—

(क) सुगंध × **दुर्गंध**

(ख) गरीब × **अमीर**

(ग) राजा × **रंक**

(घ) स्वर्ग × **नरक**

(ङ) बच्चा × **बड़ा**

(च) कुटिया × **महल**

11 डॉ० अब्दुल कलाम के तीन सपने

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ—

(क) डॉ० कलाम का पहला सपना स्वतंत्रता का है।

(ख) भारत दुनिया के साथ चले यह डॉ० कलाम का तीसरा सपना है।

(ग) सिंगापुर में आप सड़कों पर सिगरेट के टोटे नहीं फेंक सकते।

(घ) वॉशिंगटन में 55 मील (88 किलोमीटर) प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार पर गाड़ी नहीं दौड़ा सकते।

2. सोचकर लिखो—

(क) डॉ० कलाम के अनुसार ''हमने स्वतंत्रता का यह सपना सबसे पहले 1857 में देखा था, जब हमने आजादी की पहली लड़ाई शुरू की। यह वह स्वतंत्रता है जिसे हमें बचाना होगा। यदि हम स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो कोई भी हमारा सम्मान नहीं करेगा।

(ख) उनकी दृष्टि में कोई भी देश या समाज संपन्न या विकसित तभी होगा जब उस देश के नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करें।

(ग) सकल घरेलु उत्पाद के क्षेत्र में हमारी गिनती दुनिया के पहले देशों में होती है क्योंकि अधिकतर क्षेत्रों में हमारी विकास दर दस प्रतिशत है।

(घ) डॉ० कलाम ने अपने देशवासियों के आचरण के विषय में कहा कि भारतीय विदेश में जाकर तो वहाँ की कानून व्यवस्था का पालन करते हैं लेकिन अपने ही देश में उससे परहेज रखते हैं।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) किस देश की गलियों में पान चबाकर नहीं थूक सकते?

बोस्टन की ☐ टोक्यो की ☑ वॉशिंगटन की ☐ सिंगापुर की ☐

(ख) ऑस्ट्रेलिया में नारियल पानी के बाद उसके खोल को तोड़कर कूड़ा समुद्र में नहीं फेंक सकते। क्या यह सही है?

हाँ ☑ नहीं ☐ कह नहीं सकते ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) सिंगापुर में शाम को कौन-सी रोड़ से गुजरने के लिए पाँच सिंगापुर डॉलर देने पड़ते हैं?

रिंग रोड़ ☐ आर्चर्ड रोड़ ☑ आर्थर रोड़ ☐ डेविड रोड़ ☐

(घ) डॉ० कलाम की भारत देश के प्रति आशा कैसे भारत की है?

आतंक रहित ☐ प्रसन्न, शांतिपूर्ण ☐ स्वस्थ, समृद्ध ☐ तीनों सही हैं ☑

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उपलब्धियों, सम्मान, सुदृढ़, विकासशील

(क) यदि हम स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो कोई भी हमारा **सम्मान** नहीं करेगा।

(ख) पिछले पचास वर्ष से हम एक **विकासशील** देश हैं।

(ग) हमारी **उपलब्धियों** को आज विश्वभर में स्वीकारा जा रहा है।

(घ) हमें न केवल सैनिक दृष्टि से वरन् आर्थिक रूप से भी **सुदृढ़** होना है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

नीचे लिखे वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करके अलग से लिखो–

(क) देशभक्त व्यवस्था का पालन करते हैं।	**देशभक्त**
(ख) हम अपने स्वतंत्र देश में रहते हैं।	**स्वतंत्र**
(ग) मेरा दूसरा सपना है, भारत का विकास।	**दूसरा**
(घ) यही वह स्वतंत्रता है जिसे हमें बचाना है।	**वह**
(ङ) हम पर अनेक आक्रमण हुए।	**अनेक**
(च) अधिकतर क्षेत्रों में हमारी विकास दर दस प्रतिशत है।	**अधिकतर**

1. नीचे लिखे शब्दों के आगे संज्ञा और विशेषण लिखो–

(क) अहंकार – **संज्ञा** (ख) ईमानदार – **संज्ञा**

(ग) आत्मविश्वासी – **विशेषण** (घ) विकास – **संज्ञा**

(ङ) शक्ति – **संज्ञा** (च) अंतिम – **संज्ञा**

(छ) विदेशी – **विशेषण** (ज) अनुभवी – **विशेषण**

(झ) गुणी – **विशेषण** (ञ) ज्ञान – **संज्ञा**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

(क) विश्व – **संसार** (ख) शिक्षक – **गुरु**

(ग) गृह – **आवास** (घ) भूमि – **धरा**

(ङ) स्त्री – **महिला**

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखो–

(क) उत्थान × **पतन** (ख) व्यवस्था × **अव्यवस्था** (ग) गुरु × **शिष्य**

(घ) अपेक्षा × **उपेक्षा** (ङ) सुपुत्र × **कुपुत्र**

12

शहीदों के पत्र

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) भगत सिंह स्वतंत्रता मिलने की शर्त पर जीने की बात कर रहे हैं।

(ख) भगत सिंह का नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका था।

(ग) लाला लाजपत राय ईश्वर से भी ज्यादा प्रेम अपनी माता से करते थे।

(घ) रामप्रसाद बिस्मिल ने अपनी माता से यह वरदान माँगा कि अंतिम समय में भी उनका हृदय दृढ़ रहे और तुम्हारे चरण कमलों में प्रणाम अर्पित कर, मैं परमात्मा का स्मरण करता हुआ, शहीद हो जाऊँ। इसी पवित्र भारत भूमि पर एक बार फिर जन्म लूँ इसी आशा के साथ।

2. सोचकर लिखो–

(क) भगत सिंह की अंतिम परीक्षा अपने प्राणों का बलिदान करना था जिसे उन्होंने दिलेराना ढंग से हँसते-हँसते स्वीकार किया।

(ख) भगत सिंह के मन में देश और मानवता के लिए कुछ करने के विचार उत्पन्न हुए।

(ग) लाला लाजपत राय मातृभूमि से जुड़ी प्रत्येक वस्तु से प्रेम करते हैं। वे पर्वत, नदियों, घाटियों, मैदानों, फूलों, फलों और रेगिस्तानों से प्यार करते हैं।

(घ) रामप्रसाद बिस्मिल की इच्छा थी कि वह एक बार श्रद्धापूर्वक माता के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बना लेते। किन्तु उनकी यह इच्छा पूर्ण होती दिखाई नहीं दी।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) रामप्रसाद बिस्मिल ने अपनी माँ को कौन-सी जेल से पत्र लिखा?

नैनी जेल ☐ लखनऊ जेल ☐ गोरखपुर जेल ☑ कानपुर जेल ☐

(ख) रामप्रसाद बिस्मिल ने माताओं की माता किसको कहा है?

अपनी माता को ☐ भारत माता को ☑ दोनों को ☐ दोनों गलत हैं ☐

(ग) लाला लाजपत राय भारत माँ के चरणों पर क्या चढ़ा सकते थे?

प्रेम ☑ नफरत ☐ जीवन ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) राम प्रसाद की माँ को शीघ्र ही क्या सुनाया जाने वाला था?

रिहाई का संवाद ☐ मृत्यु का संवाद ☑ सम्मान का संवाद ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

रोम-रोम, अंतिम, वंदना, परमात्मा, हिंदुस्तानी

(क) मेरा नाम **हिंदुस्तानी** क्रांति का प्रतीक बन चुका है।

(ख) अब तो बड़ी बेताबी से **अंतिम** परीक्षा का इंतजार है।

(ग) मैं तो **रोम-रोम** से तुम्हारी पूजा करता हूँ।

(घ) मेरी **वंदना** मैं तुम्हारे चरणों में भेंट करता हूँ।

(ङ) मुझे प्रत्येक जन्म में **परमात्मा** ऐसी ही माता दे।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

द्विकर्मक एवं प्रेरणार्थक क्रियाएँ छाँटकर उनके नाम लिखो—

(क) राम ने सीता को पत्र लिखा।	**द्विकर्मक क्रिया**
(ख) मालती ने सीमा को हिंदी पढ़वाई।	**द्विकर्मक क्रिया**
(ग) रूपा ने संकल्प को उपहार भेजा।	**प्रेरणार्थक क्रिया**
(घ) माँ ने हमें खीर खिलाई।	**द्विकर्मक क्रिया**
(ङ) कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबमीनार बनवाई।	**प्रेरणार्थक क्रिया**
(च) शाहजहाँ ने ताजमहल बनवाया।	**प्रेरणार्थक क्रिया**

1. नीचे दिए शब्दों से तीन-तीन शब्द बनाओ—

(क) गुण	–	**गुणवती**	**गुणवान**	**गुणधर्म**
(ख) चिंता	–	**चिंताजनक**	**चिंतायुक्त**	**चिंतामुक्त**
(ग) आशा	–	**आशामय**	**आशावादी**	**आशावान**
(घ) कम	–	**अक्ली**	**कमजोर**	**कमजात**
(ङ) रस	–	**रसदार**	**रसपान**	**रसभरी**
(च) सुख	–	**सुखसागर**	**सुखदायक**	**सुखपूर्वक**

2. नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो—

(क) पुत्र	–	**सुत**	**बेटा**	(ख) मृत्यु	–	**देहांत**	**देहावसान**
(ग) विश्व	–	**जगत**	**संसार**	(घ) वंदना	–	**प्रार्थना**	**विनती**
(ङ) इच्छा	–	**कामना**	**अभिलाषा**	(च) चरण	–	**पाँव**	**पग**

3. भाववाचक संज्ञा बनाओ—

(क) मीठा	–	**मिठास**	(ख) महँगा	–	**महँगाई**
(ग) कायर	–	**कायरता**	(घ) खट्टा	–	**खट्टापन**
(ङ) बड़ा	–	**बड़प्पन**			

13

परिवार का महत्व

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) खाली घर मकड़ी के जालों से भर जाता है।

(ख) घर बाल-गोपालों के द्‌वारा हँसता है।

(ग) जिस समय घर में व्यक्ति नहीं होते उस समय घर रोता है।

(घ) घर की हर नींव में प्रेम, भाई चारा होना चाहिए।

(ङ) घर में दिन रात प्रेम और स्नेह की ज्योति जलनी चाहिए।

2. सोचकर लिखो–

(क) घर को आपसी वैमनस्य, अलगाव आदि दोषों से बचाने की आवश्यकता होती है।

(ख) कविता के अनुसार 'मकान' से 'घर' उसमें रहने वाले व्यक्तियों के बीच प्रेम, स्नेह, सहयोग और आपसी तालमेल से बनता है।

(ग) कविता के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि हमारा घर खिड़की दरवाजों से नहीं बल्कि घर में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति से बनता है। भाई-भाई के बीच प्रेम हो, ननद-भाभी में आपसी तालमेल हो, बच्चों की हँसी और उनका शोरगुल हो, घर में रहने वाले बुजुर्गों का सम्मान हो। संकट के समय एक-दूसरे का साथ हो।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) भाईचारा घर के किस स्थान में हो?

दीवालों में ☐ नींव में ☑ छत में ☐ ईंटों में ☐

(ख) घर किससे बनता है?

दरवाजों से ☐ ईंटों से ☐ घर वालों से ☑ दीवालों से ☐

(ग) लड़ाई में घर किससे घिरा रहेगा?

भालों से ☐ सवालों से ☑ तलवारों से ☐ भूचालों से ☐

(घ) घर में किसको जगह नहीं मिलनी चाहिए?

प्रेम को ☐ नफरत को ☑ दोनों को ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

4. आशय स्पष्ट करो–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि हमारे दिल की खिड़की में उजाला होना चाहिए।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि घर में वास्तविक खुशी बच्चों की उपस्थिति से उनके खेलने-कूदने से आती है।

5. **कविता की पंक्तियों को पूरी करो–**

(क) गर प्रेम की ईंट और गारा हो, **हर नींव में भाई-चारा हो**
कंधों का छतों को सहारा हो , दिल खिड़की में उजियारा हो।

(ख) दिन-रात प्रेम की ज्योति जले, **सद्भावना की बगिया खिले**
हर रिश्ता जहाँ पर फूले-फले , नफरत को न यहाँ जगह मिले।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

क्रिया-विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादिबोधक के अतिरिक्त एक और अव्यय होता है– निपात। निपात का प्रयोग हम शब्द विशेष या कथन विशेष पर बल देने के लिए करते हैं; जैसे–

(क) आपके साथ मैं भी जाऊँगी।
(ख) तुमने ही तो मुझे जाने को कहा था।
(ग) उसकी हिम्मत हुई तो कैसे?
(घ) मुझे तुमसे नहीं उससे ही बात करनी है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'भी', 'ही तो', 'तो', 'ही' – निपात हैं।

इनका प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य और बनाओ–

(क) दिल्ली में भी सितार मिलते हैं।
(ख) वह तो घर गया था।
(ग) तुम ही तो वहाँ गये थे।
(घ) उसे वहाँ जाना ही चाहिए।

1. **नीचे दिए गए तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखो–**

(क) नयन – **आँखें**
(ख) भ्राता – **भाई**
(ग) हास्य – **हँसना**
(घ) रूदन – **रोना**
(ङ) उज्ज्वल – **उजाला**
(च) गृह – **घर**

2. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलो–**

(क) छतों – **छत**
(ख) गोपालों – **गोपाल**
(ग) भूचालों – **भूचाल**
(घ) सवालों – **सवाल**
(ङ) दीवालों – **दीवाल**

3. **निम्नलिखित शब्दों का सही लिंग से मिलान करो–**

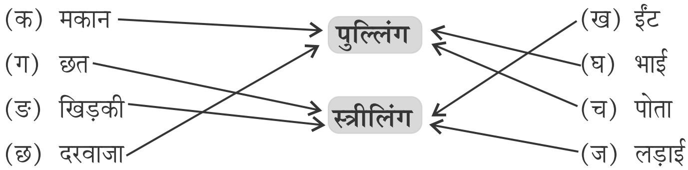

14 उपन्यास सम्राट प्रेमचंद

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) धनपत की माता का नाम 'आनंदी' तथा पिता का नाम 'अजायबराय' था।

(ख) बालक धनपत घर आँगन से भागकर बाहर खेलने के लिए, खेतों में घूमने के लिए, जाता था।

(ग) बालक धनपत को किताबें पढ़ने का शौक शहर के स्कूल से लगा।

(घ) धनपत राय जी की पहली कहानी 'संसार का सबसे अनमोल रतन' थी जो वर्ष 1907 में कानपुर के उर्दू-मासिक 'जमाना' में प्रकाशित हुई थी।

2. सोचकर लिखो–

(क) धनपतराय का छात्र जीवन सामान्य रहा। बचपन में इनका मन पढ़ाई में लग गया, हजारों कहानियों और सैकड़ों छोटे-मोटे उपन्यास पढ़ डाले, गणित इनका कमजोर पक्ष रहा। इनको इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने में बड़ी कठिनाई हुई।

(ख) प्रेमचंद को बुढ़ापे में 'हंस', 'जागरण', सरस्वती प्रेस और प्रकाशन, 'जमाना' (उर्दू मासिक) की चिंता सताती थी।

(ग) 'समरयात्रा प्रकाशित होते ही अंग्रेजी सरकार ने इस पुस्तक को आपत्तिजनक घोषित कर दिया। पुलिस सरस्वती प्रेस से किताब की सारी प्रतियाँ उठा ले गई।

(घ) वर्ष 1936 में विश्व के तीन महान उपन्यासकारों– प्रेमचंद, मैक्सिम गोर्की, शरतचन्द्र जी का देहावसान हुआ।

(ङ) प्रेमचंद जी की कहानियों का विषय समयानुकूल बदलता रहा। मुंशी जी ने रवींद्रनाथ की गल्पों के उर्दू-रूपान्तर, पत्रिकाओं में छपवाए। पहली कहानी थी। 'संसार का सबसे अनमोल रतन' जो वर्ष 1907 में कानपुर के उर्दू-मासिक 'जमाना' में प्रकाशित हुई। वर्ष 1905 से वर्ष 1920 के दरम्यान प्रेमचंद ने बहुत कुछ लिखा–दसियों छोटे-बड़े उपन्यास, सैकड़ों कहानियाँ। पत्र-पत्रिकाओं में निबंध और आलोचनाएँ भी कम नहीं लिखीं।

वर्ष 1928 के बाद ज्यादातर वे हिंदी में ही लिखने लगे। माधुरी (लखनऊ) के संपादक होने पर उनकी प्रतिभा और योग्यता की एक-एक बूँद हिंदी संसार को मिलने लगी। फिर भी 'जमाना' को प्रेमचंद की मौलिक उर्दू-रचनाएँ लगातार मिलती रहीं।

(च) प्रेमचंद स्वाधीनता संग्राम के ऐसे सेनापति थे जिनकी वाणी ने लाखों सैनिकों के हृदय में जोश भर दिया था।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) चाचा प्रेमचंद को प्यार से क्या बुलाते थे?

साहब ☐ मालिक ☐ नवाब ☑ राजा ☐

(ख) माँ के देहांत के समय धनपत की आयु कितनी थी?

पाँच वर्ष ☐ चार वर्ष ☐ सात वर्ष ☑ तीन वर्ष ☐

(ग) पिता का तबादला कहाँ हुआ था?

चंदौसी ☐ गोरखपुर ☑ पीलीभीत ☐ बरेली ☐

(घ) प्रेमचंद का स्वभाव कैसा था?

घमंडी ☐ आलसी ☐ विनम्र ☑ चतुर ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

लिखाई, मुसीबतों, घुटन और बेबसी, अभावग्रस्त, बिछोह

(क) माँ के **बिछोह** ने धनपत के बचपन का सारा रस सोख लिया।

(ख) प्रेमचंद ने बचपन से ही **मुसीबतों** पर हँसना सीखा था।

(ग) स्कूल मास्टर का उनका जीवन भारी **घुटन और बेबसी** का जीवन रहा।

(घ) नई पत्नी के साथ रहने लगे तब से **लिखाई** का सिलसिला जम गया।

(ङ) आजीवन संघर्षरत और **अभावग्रस्त** लेखक ने अपना स्वास्थ्य चौपट कर दिया।

5. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर 'सही' अथवा 'गलत' लिखो–

(क) मुंशी अजायब लाल ने दूसरी शादी कर ली थी। **सही**

(ख) नई माँ धनपत से बहुत प्यार करती थीं। **गलत**

(ग) उस समय रुपये में बीस सेर का जौ था। **सही**

(घ) धनपत ने द्वितीय श्रेणी में मैट्रिक पास किया। **सही**

(ङ) धनपत को गणित बहुत पसंद था। **गलत**

(च) प्रेमचंद ने मृत्यु-पूर्व उपन्यास 'मंगलसूत्र' पूरा कर लिया था। **गलत**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित शब्दों के लिए उचित विशेषण पाठ में से छाँटकर लिखो–

(क) **गोरी** सूरत

(ख) **बासी** रोटियाँ

(ग) **घनी-काली** भौंहें

(घ) **मद्धिम** रोशनी

(ङ) **छोटी-छोटी** आँखें

(च) **हजारों** कहानियाँ

(छ) **नुकीली** नाक

(ज) **विनम्र** पुरुष

(झ) **मुस्कुराता** चेहरा

(ञ) **विख्यात** लेखक

2. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो–

(क) माँ – **माता** **जननी** **जन्मदात्री**

(ख) पिता – **जनक** **जन्मदाता** **पितृ**

(ग) आँख – **चक्षु** **अक्षि** **नयन**

(घ) संसार – **विश्व** **जगत** **लोक**

(ङ) स्त्री – **महिला** **नारी** **वनिता**

3. **निम्नलिखित वाक्यों के सामने रचना के आधार पर वाक्य के भेद लिखो–**

(क) पिता का तबादला गोरखपुर हुआ। **सरल वाक्य**

(ख) जो लड़की धनपत के लिए चुनी गई थी, वह धनपत को कभी पसंद नहीं आई। **मिश्र वाक्य**

(ग) यह कारण था कि बालक धनपत घर-आँगन से भागकर बाहर खुले मैदान में चला जाता था। **मिश्र वाक्य**

(घ) वह पेड़ों पर चढ़ता था और आम के टिकोरे चुनता था। **संयुक्त वाक्य**

(ङ) उनके दिमाग में यही एक बात थी कि अपनी किताबें आप ही छापते रहेंगे। **मिश्र वाक्य**

4. **निम्नलिखित योजकों का अपने वाक्य में प्रयोग करो–**

(क) इसलिए – **कल मयंक की छुट्टी है इसलिए वह हमारे साथ विवाह समारोह में जाएगा।**

(ख) परंतु – **उसने ट्रेन में बैठने की कोशिश की परंतु उसे सफलता नहीं मिली।**

(ग) क्योंकि – **सोहन परीक्षा में पास हो गया क्योंकि उसने मेहनत की थी।**

(घ) तथा – **पढ़ाई के लिए पुस्तकें तथा कलम आवश्यक है।**

(ङ) और – **मोहन और सोहन सगे भाई हैं।**

(च) एवं – **धनपतराय की महत्वपूर्ण रचनाएँ 'हंस' एवं 'जागरण' थीं।**

15 गायक बैजू बावरा

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) साधुओं की मंडली बेफ्रिक थी।

(ख) सिपाही उन्हें पकड़कर बादशाह अकबर के दरबार में ले गए थे।

(ग) साधुओं की मंडली को मृत्युदंड का आदेश दिया गया।

(घ) बाबा हरिदास ने कुटिया पर आकर बैजू से धैर्य रखने व शांत रहने के लिए कहा।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) तानसेन ने कानून बनवाया था कि जो व्यक्ति राग-विद्या में उनकी बराबरी न कर सके, वह आगरा की सीमा में गीत न गाए। यदि कोई गाए तो उसे मृत्यु दंड की सजा दी जाए।

(ख) गुरु हरिदास ने बैजू को गले लगाकर कहा "मैं तुम्हे वह हथियार दूँगा, जिससे तुम अपने पिता की मौत का बदला ले सकोगे। मगर तुम्हें बारह बरस तक कठोर तपस्या करनी होगी।

(ग) बैजू बावरा ने सितार हाथ में लेकर जैसे ही मधुर स्वर में गायन आरंभ किया, श्रोता ब्रह्मानंद में लीन हो गये। पेड़ों के पत्ते निशब्द हो गए, वायु रुक गई, सुनने वाले मंत्रमुग्ध व सुधहीन

होकर सिर हिलाने लगे। कुछ हिरन कुलाचे भरते हुए बैजू बावरा के पास आकर खड़े हो गए।

(घ) हिरनों को वापस बुलाने में असफल होने के कारण तानसेन को लज्जा महसूस हुई।

(ङ) बैजू ने तानसेन के प्राण लेने के स्थान पर उस कानून को निरस्त करवा दिया जिसके अनुसार आगरा की सीमाओं के अंदर गाने वाला तानसेन के जोड़ का न हुआ तो मरवा दिया जाएगा।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) बैजू ने कैसी आँखों से बाबा जी की तरफ देखा?

करुणा भरी ☐ क्रोध भरी ☐ आँसू भरी ☑ तीनों ☐

(ख) हरिदास ने बैजू को गले से लगाकर क्या देने के लिए कहा?

मंत्र ☐ हथियार ☑ दोनों ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) हरिदास ने बैजू से कितने वर्ष की तपस्या के लिए कहा?

बारह वर्ष ☑ चौदह वर्ष ☐ पंद्रह वर्ष ☐ बीस वर्ष ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

पत्थर, निर्भयता, अकबर, बाबाजी, आँसुओं

(क) उस समय भारत में बादशाह **अकबर** की तूती बोलती थी।

(ख) बैजू ने करुणा और क्रोध की आँखों से **बाबाजी** की तरफ देखा।

(ग) हरिदास के धीरज की दीवार **आँसुओं** की बौछार न सह सकी।

(घ) बैजू बावरा के गाने में ऐसा जादू था कि **पत्थर** तक पिघल जाते थे।

(ङ) बैजू के मुखमंडल पर तेज और आँखों में **निर्भयता** थी।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. दिये गए वाक्यों में क्रिया विशेषण शब्द छाँटकर उसके भेदों का नाम लिखो—

(क) आज उसने **अच्छा** बजाया। – **गुणवाचक विशेषण**

(ख) हिरन कूदते हुए **जिधर** से आए थे उधर को चले गये। – **स्थानवाचक विशेषण**

(ग) सिपाहियों ने **वहाँ** आकर उन्हें घेर लिया। – **स्थानवाचक विशेषण**

(घ) उन्होंने अपने जीवन में **ऐसा** सितार वादन कभी न किया था। – **कालवाचक विशेषण**

(ङ) बच्चा **रात-भर** रोता रहा। – **रीतिवाचक विशेषण**

2. निम्न पदों का विग्रह करके लिखो—

(क) मृत्युदंड – **मृत्यु का दंड** (ख) गान-विद्या – **गाने की विद्या**

(ग) राष्ट्रपति – **राष्ट्र का पति** (घ) देश निकाला – **देश से निकाला**

(ङ) संगीत सागर – **संगीत का सागर** (च) सुधहीन – **सुध से हीन**

3. 'इक' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाओ—

(क) संसार + इक = **सांसारिक** (ख) बुद्धि + इक = **बौद्धिक**

(ग) उपचार + इक = **औपचारिक** (घ) करुण + इक = **करुणिक**

(ङ) संकेत + इक = **सांकेतिक** (च) वर्ष + इक = **वार्षिक**

4. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ–**

(क) आग की तरह फैलना – **बहुत तेजी से फैलना**
देश में राजीव गाँधी की मृत्यु की खबर आग की तरह फैल गई।

(ग) वज्र गिरना – **अत्यंत दुखद सूचना सुनकर आहत होना**
परीक्षा में देवेश के अनुत्तीर्ण होने की सूचना उसकी दादी के ऊपर व्रज की तरह गिरी।

(ग) मंत्र-मुग्ध होना – **ध्यान को आकर्षित करना**
अमित की नई गाड़ी को देखकर पड़ोसी मंत्रमुग्ध हो गए।

(घ) दाँत पीसना – **अत्यधिक क्रोध प्रकट करना**
महेश की बकवास एवं अपशब्द सुनकर दिनेश और रमेश क्रोध के मारे दाँत पीसने लगे।

(ङ) खून का घूँट पीकर रह जाना – **अपना क्रोध प्रकट न होने देना**
नेताजी का अपमान होते देखकर उनके समर्थक खून का घूँट पीकर रह गये।

(च) तूती बोलना – **बहुत नाम होना**
इन दिनों देश में ही नहीं विदेशों में भी प्रधानमंत्री मोदी की तूती बोल रही है।

16 जादुई गलीचा

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) प्रिंशू के पूछने पर गलीचे से आवाज आई ''गलीचों के कारखानों में, जहाँ मैं रहता हूँ।''

(ख) छोटे बच्चे कारखानों में कालीन बना रहे थे।

(ग) गलीचे करघे पर बनाए जाते हैं।

(घ) अखबार में खबर छपी थी कि स्थानीय गलीचा कारखाने पर छापा लगाकर दस बच्चे मुक्त कराए गए।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) प्रिंशू और नव्या गलीचे की आवाज को सुनकर सलीम के पास गये क्योंकि उन्हें यह जिज्ञासा उत्पन्न हुई थी कि गलीचे से आवाज कैसे आ रही है।

(ख) मलिक गलीचे बनाने वाली जगह दिखाने में इसलिए संकोच कर रहा था क्योंकि वहाँ पर बच्चे काम करते थे।

(ग) मि० मेहरा ने बच्चों को कारखाने से निकालने के लिए श्रम आयुक्त को सूचना दी।

(घ) मलिक अपनी शेखी इसलिए बघार रहा था क्योंकि उसे लगता था कि वह बच्चों को खाना दे रहा है और उनकी देखभाल कर रहा है।

(ङ) कहानी के अंत में सब खुश थे क्योंकि दस बच्चे गलीचा कारखाने से मुक्त हो गए थे। उनमें से एक सलीम भी था। उसके पिता को उसके स्थान पर पूरी तनख्वाह पर नौकरी देने का आदेश हुआ।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) प्रिंशू और नव्या कौन-सा मैच देख रहे थे?

हॉकी ☐ क्रिकेट ☑ फुटबॉल ☐ बेडमिंटन ☐

(ख) सलीम के साथ कारखाने में कैसा व्यवहार होता था?

अच्छा ☐ बुरा ☐ दोनों ☑ इनमें से कोई नहीं ☐

(ग) प्रिंशू और नव्या मेहरा जी के कौन थे?

भाई-बहिन ☐ बच्चे ☑ पड़ोसी ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(घ) बच्चों के स्थान पर किसको नौकरी देने की बात तय हुई?

माता को ☐ पिता को ☑ भाई को ☐ बहिन को ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

रविवार, क्रिकेट, सलीम, बीस, सतर्कता

(क) प्रिंशू और नव्या टी०वी० पर **क्रिकेट** मैच देख रहे थे।

(ख) बच्चों को **रविवार** का इंतजार करना भारी लग रहा था।

(ग) उस व्यक्ति के चेहरे पर **सतर्कता** के भाव आ गए।

(घ) वहाँ कम से कम **बीस** बच्चे काम कर रहे थे।

(ङ) दरवाजे पर **सलीम** अपने माता-पिता के साथ खड़ा था।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर उनके अर्थ को समझाओ–

(क) प्रसिद्धि – **प्रेमचंद जी को उनके उपन्यास गोदान से बहुत प्रसिद्धि मिली।**

ख्याति – **सुभाषचंद्र बोस की ख्याति से अंग्रेज चिंतित थे।**

(ख) आज्ञा – **शिक्षक ने छात्र को कुर्सी उठाकर लाने की आज्ञा दी।**

आदेश – **राजा ने अपराधी को आजीवन कारावास का आदेश दिया।**

(ग) अमूल्य – **जीवन अमूल्य है।**

बहुमूल्य – **सोना बहुमूल्य धातु है।**

(घ) अस्त्र – **राम व रावण के बीच युद्ध में अस्त्रों का प्रयोग हुआ।**

शस्त्र – **आजकल भारतीय सेना में आधुनिक शस्त्र का प्रयोग होने लगा है।**

(ङ) पर्यटन – **शिमला एक पर्यटन स्थल है।**

यात्रा – **चार धाम की यात्रा करना एक सुखद अनुभव है।**

2. दिए गए शब्दों के सामने संज्ञा के भेद लिखो–

(क) बच्चा – **जातिवाचक संज्ञा** (ख) प्रिंशू – **व्यक्तिवाचक संज्ञा**

(ग) रविवार – **व्यक्तिवाचक संज्ञा** (घ) कारखाना – **जातिवाचक संज्ञा**

(ङ) दफ्तर – **जातिवाचक संज्ञा** (च) बिक्री – **भाववाचक संज्ञा**

(छ) नव्या – **जातिवाचक संज्ञा**

3. निम्नलिखित शब्दों को उनके लिंग से मिलाओ–

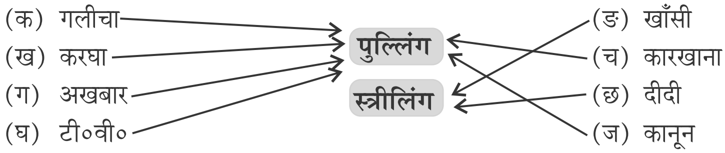

4. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलो–

(क) बच्चा – **बच्चे** (ख) गरीब – **गरीबों**

(ग) बालिका – **बालिकाएँ** (घ) अमीर – **अमीरों**

(ङ) आँख – **आँखें** (च) कमरा – **कमरे**

कबीरदास के दोहे

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) कबीर दास जी निंदा करने वालों को पास रखने के लिए कहते हैं।

(ख) किसी को छोटा समझकर उसकी शक्तियों को कम आंक कर उसकी अवहेलना और निंदा नहीं करनी चाहिए।

(ग) जिसके हृदय में सच्चाई है उसी के हृदय में भगवान निवास करते हैं।

(घ) कबीर दास जी के अनुसार सच्चा साधु साम्प्रदायिक भेदभाव, सांसारिक मोह-माया से दूर, सभी स्थितियों में समभाव रखते हुए प्रभु भक्ति में लीन रहता है।

(ङ) सोच-समझकर प्यार से बोली गई बोली अनमोल है।

2. सोचकर लिखो–

(क) कबीर दास जी के अनुसार न तो अधिक बोलना अच्छा है और न जरूरत से ज्यादा चुप रहना ही ठीक है। जैसे बहुत अधिक वर्षा अच्छी नहीं होती और बहुत अधिक धूप भी अच्छी नहीं होती।

(ख) सच्चाई के बराबर कोई तपस्या नहीं है, झूठ (मिथ्या आचरण) के बराबर कोई पाप कर्म नहीं है।

(ग) जिस मनुष्य के ह्रदय में सत्य का वास होता है उसके ह्रदय में ईश्वर निवास करते हैं।

(घ) साधु की पहचान उसके ज्ञान के आधार पर होनी चाहिए न कि उसकी जाति के आधार पर।

(ङ) जिस प्रकार सोना बार-बार टूटने पर भी जुड़ जाता है उसी प्रकार सज्जन और साधुजन भी यदि रुठ जाते हैं तो मनाने पर फिर मान जाते हैं।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) झूठ के बराबर क्या नहीं है?

पाप ☑ पुण्य ☐ तप ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

(ख) साधु से क्या नहीं पूछना चाहिए?

ज्ञान ☐ जाति ☑ पता ☐ नाम ☐

(ग) बिना पानी और बिना साबुन के कौन निर्मल करता है?

दोस्त ☐ निंदक ☑ रिश्तेदार ☐ दुश्मन ☐

(घ) किसी कार्य को कब पर नहीं छोड़ना चाहिए?

आज पर ☐ कल पर ☑ परसों पर ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

4. आशय स्पष्ट करो–

(क) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि हे प्रभु मुझे अधिक धन और संपत्ति नहीं चाहिए, मुझे केवल इतना दीजिए जिसमें मेरा परिवार अच्छी तरह से पेट भर सके। मैं भी भूखा ना रहूँ और मेरे घर से कोई भी जरूरतमंद/अतिथि भूखा न जाये।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि साधु की जाति को न पूछकर उसके ज्ञान के विषय में जानना चाहिए। क्योंकि तलवार का मूल्य होता है न कि उसकी म्यान का।

5. दोहों को पूरा करो–

(क) माला फेरत जुग गया, **फिरा न मन का फेर**।
करका मनका डारिदे, मन का मनका फेर।।

(ख) काल करै सो आज कर, **आज करे सो अब**।
पल में परलै होयगी, बहुरि करैगो कब।।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

'दार' प्रत्यय का प्रयोग 'से युक्त', 'वाला', 'करने वाला' आदि अर्थों में संज्ञा शब्दों के साथ होता है। यदि शब्द पुल्लिंग आकारांत हो तो प्रायः 'ए' में बदल जाता है; जैसे– जायका - जायकेदार।

(क) समझ	–	**समझदार**	(ख) ईमान	–	**ईमानदार**
(ग) जिम्मा	–	**जिम्मेदार**	(घ) थाना	–	**थानेदार**
(ङ) मसाला	–	**मसालेदार**	(च) पत्ता	–	**पत्तेदार**
(छ) देन	–	**देनदार**	(ज) मजा	–	**मजेदार**
(झ) शान	–	**शानदार**	(ञ) खबर	–	**खबरदार**

1. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखो—

(क) हिरदै – **हृदय** (ख) सोना – **स्वर्ण**

(ग) आँख – **अक्षि** (घ) साँच – **सत्य**

(ङ) निरमल – **निर्मल** (च) कुटुम – **कुटुंब**

(छ) दोस – **दोष**

2. निम्नलिखित के समानार्थी शब्द लिखो—

(क) वाणी – **बोली** (ख) पीर – **कष्ट**

(ग) कुटुंब – **कुल** (घ) साधु – **सज्जन**

(ङ) निंदक – **मानवद्वेषी** (च) पानी – **नीर**

3. दिये गए शब्दों से वाक्य बनाओ—

(क) झूठ – **झूठ बोलना पाप है।** (ख) तराजू – **तराजू से तौलते है।**

(ग) माला – **वर को माला पहना दो** (घ) मुख – **मुख पर तेज है।**

(ङ) सत्य – **सत्य बोलना पुण्य है।** (च) जाति – **जाति पूछना गलत है।**

18 भारत की सांस्कृतिक एकता

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ—

(क) देश, राष्ट्रीयता का एक आवश्यक उपकरण है।

(ख) स्विट्जरलैंड में जर्मन, फ्रांसीसी तथा इतावली तीन भाषाएँ बोली जाती हैं।

(ग) हमारी भौगोलिक इकाई हिमालय पर्वत और सागर से है।

(घ) धर्म और संस्कृति मनुष्य के हृदय के अधिक निकट हैं।

2. सोचकर लिखो—

(क) विदेशी शासकों ने भारत की एकता को खण्डित करने के लिए भाषा, धर्मों, रीति-रिवाजों, अवर्ण-सवर्ण, हिन्दू-मुसलमान-सिख-ईसाई-जैन आदि को आधार बनाया।

(ख) प्राचीनकाल में राष्ट्रीयता की धारा अबाधित तो नहीं रही है, आंतरिक द्वेष कभी-कभी प्रबल हो उठे किंतु भारतवासी एकछत्र सार्वभौम राज्य से अपरिचित न थे। राजसूय, अश्वमेध आदि यज्ञ ऐसे ही राज्य की स्थापना के ध्येय से किए जाते थे।

(ग) भारत में उद्भूत प्रायः सभी धर्म आवागमन में विश्वास करते हैं। मैत्री, करुणा, मुदिता और उपेक्षा की शिक्षा हिंदू, जैन और बौद्ध धर्मों में समान रूप से प्रतिष्ठित है।

(घ) भारत की सात पुरियाँ पवित्र और मोक्षप्रद मानी गई है। इनकी भी यात्रा की जाती है और प्रातः स्मरण भी किया जाता है। इनके नाम हैं– अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, काँची, अवंतिका (उज्जयिनी), द्वरावती (द्वारका)।

(ङ) भारत की सभी भाषाओं का उद्गम संस्कृत से हुआ है।

(च) भारतीय संस्कृति की विशेषता है कि यह अनेक धर्म, रीति-रिवाज, मान्यताएँ होते हुए भी विविधता में एकता का संदेश देती है।

(छ) प्राचीन काल में भारतीय धर्म और साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाया है। सभी काव्य-ग्रथ, चाहे वे उत्तर के हों चाहे दक्षिण के, रामायण और महाभारत को अपना प्रेरणा-स्रोत बनाते रहे हैं। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश के आम्नाय और काव्य-ग्रंथ उत्तर दक्षिण में समान रूप से मान्य हैं।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) हमारी भूमि को उर्वरा और शस्य-श्यामला कौन बनाती हैं?

नदियाँ ☑ पर्वत ☐ समुद्र ☐ उपवन ☐

(ख) जनसाधारण राजनीति की अपेक्षा किससे अधिक प्रभावित होती है?

राजनेताओं से ☐ धर्म से ☑ राष्ट्रीयता से ☐ जनता से ☐

(ग) भारत की कितनी पुरियाँ पवित्र और मोक्षप्रद मानी गई हैं?

पाँच ☐ सात ☑ नौ ☐ चार ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

धर्म, भौगोलिक, अग्नि, राष्ट्रीय, उपकरण, धार्मिक, अस्तित्व, संस्कृति

(क) देश राष्ट्रीयता का एक आवश्यक **उपकरण** है।

(ख) भेदों के **अस्तित्व** से इनकार करना मूर्खता होगी।

(ग) हमारी **भौगोलिक** इकाई हिमालय पर्वत और सागर से है।

(घ) राजनीति की अपेक्षा **धर्म** और **संस्कृति** मनुष्य के हृदय के अधिक निकट हैं।

(ङ) पारसियों और हिंदुओं में **अग्नि** की पूजा समान रूप से होती है।

(च) हिंदू-तीर्थाटन में **धार्मिक** भावना के साथ **राष्ट्रीय** भावना भी निहित है।

5. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर 'सही' अथवा 'गलत' लिखो–

(क) अमेरिका में कई भाषाएँ बोली जाती हैं। **सही**

(ख) सभी देशों में जाति, भाषा व धर्म की समानता है। **गलत**

(ग) राजनीति का संबंध भौतिक सुख-सुविधाओं से है। **सही**

(घ) पारसियों और हिंदुओं में अग्नि की पूजा नहीं होती। **गलत**

(ङ) उर्दू और हिंदी भाषा में साम्य है। **गलत**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो–

(क) जो प्राप्त न हो सके	**अप्राप्य**	(ख) सदा रहने वाला	**शाश्वत**
(ग) जल में रहने वाला	**जलचर**	(घ) जिसका आरंभ न हो	**निराकार**
(ङ) जिसकी उपमा न हो	**अनुपम**	(च) जो विश्वास करने योग्य हो	**विश्वसनीय**

2. निम्नलिखित मुहावरों का उनके सही अर्थ से मिलान करके वाक्य में प्रयोग करो–

मुहावरा	अर्थ
(क) उल्लू सीधा करना	(i) दोष देना
(ख) गागर में सागर भरना	(ii) बिल्कुल बदल जाना
(ग) उँगली उठाना	(iii) नियंत्रण से बाहर होना
(घ) कायापलट होना	(iv) बड़ी बात को थोड़े में कहना
(ङ) पर निकल आना	(v) स्वार्थ पूरा करना

वाक्य-प्रयोग

(क) आजकल वैभव बहुत चालाक होता जा रहा है, हर जगह अपना उल्लू सीधा करने की फिराक में रहता है।

(ख) बिहारी जी के दोहों की क्या बात है, बस दो ही पंक्तियों में गागर में सागर भर दिया।

(ग) राजू, तुम बेवजह रमेश पर उँगली उठा रहे हो।

(घ) मोहित ने अपने नब्बे किलो वजन को कम करने अपनी काया पलट दी है।

(ङ) रीमा के तो जैसे पर निकल आए हो वह किसी से सीधे मुँह बात नहीं करती।

3. प्रत्यययुक्त शब्दों को रेखांकित करके लिखो–

(क) विश्वसनीय और कुशल व्यक्तियों की वृद्धि करते रहो।	**विश्वसनीय**
(ख) जनता को प्रबुद्ध करते हुए मालव पहुँचे।	**जनता**
(ग) पुरुमर के दल ने विस्मर्णीय कलंक इतिहास में अंकित कर दिया।	**विस्मर्णीय**
(घ) स्वार्थी और अभिशापी शासक सबसे बड़े आंतरिक शत्रु होते हैं।	**स्वार्थी, अभिशापी, आंतरिक**
(च) सौभाग्यशाली की विजय होती है।	**सौभाग्यशाली**

4. 'ज्ञानेंद्रियाँ' को यदि 'ज्ञान + इंद्रियाँ', लिखा जाए, तो नीचे लिखे शब्दों को कैसे लिखा जाएगा?

(क) रत्नाकर	– **रत्न + आकार**	(ख) विद्यार्थी	– **विद्या + अर्थी**
(ग) स्वाधीनता	– **स्व + अधीनता**	(घ) महाराष्ट्र	– **महा + राष्ट्र**
(ङ) राजनीति	– **राज + नीति**	(च) रामायण	– **राम + आयण**

5. **संधियुक्त शब्दों को रेखांकित करो—**

(क) देशद्रोहियों का मूलोच्छेद होना ही चाहिए।

(ख) मदांध और अदूरदर्शी राजा विनाश का कारण बनेगा।

(ग) चुने हुए अश्वारोही ही युद्ध में गए।

(घ) मगध की लाक्षधिक वाहिनी का सामना करना होगा।

(ङ) योजनानुसार आगे बढ़ना ही होगा।

19 अंतरिक्ष

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ—**

(क) अंतरिक्ष में पहला कदम रखने वाले भारत के स्कवाड्रन लीडर थे। इनका जन्म 13 जनवरी 1949 ई० को पटियाला में हुआ था।

(ख) राकेश शर्मा 'सोयूज' टी II के द्वारा अंतरिक्ष में गये।

(ग) कल्पना चावला पहली बार अंतरिक्ष यात्रा पर सन् 1997 में गई। ये अंतरिक्ष में 376 घंटे रही।

(घ) सुनीता के पति माइकल विलियम्स पायलट हैं और इस समय ओरिगान में पुलिस अधिकारी हैं।

2. **सोचकर लिखो—**

(क) राकेश शर्मा ने 1970 में भारतीय वायु सेना में कार्यभार ग्रहण किया। इन्होंने अंतरिक्ष पर पहला कदम 3 अप्रैल, 1984 को रखा। इसके साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण में एक नये अध्याय का आरंभ हुआ। राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में जाने का यह सौभाग्य 'सोयूज' टी II के द्वारा संभव हुआ।

(ख) 1995 में अंतरिक्ष प्रशिक्षण के बाद सन् 1997 में कल्पना चावला अंतरिक्ष यात्रा पर गईं। ये अंतरिक्ष में 376 घंटे रही। अंतरिक्ष यात्रा पर दूसरी बार ये 16 जनवरी 2003 को गईं। इनके साथ छह अन्य वैज्ञानिक भी थे।

(ग) 5 अप्रैल, 1984 को उस समय भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने राकेश शर्मा से थोड़ी बातचीत की थी उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई संदेश भेजा था। श्रीमती गाँधी ने जब उनसे पूछा कि भारत अंतरिक्ष से कैसा दिखाई दे रहा है तो उन्होंने उत्तर दिया, ''सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ता हमारा।''

(घ) भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा को सोवियत संघ के सर्वोच्च सम्मान 'आर्डर आफ लेनिन' से विभूषित किया गया और भारत में 'अशोक चक्र' से सम्मानित किया गया। श्री

शर्मा ने अपनी गौरवपूर्ण उपलब्धि से भारत को 14 वाँ ऐसा देश बना दिया जिसके नागरिक अंतरिक्ष की यात्रा का गौरव प्राप्त कर चुके हैं।

(ङ) 10 दिसंबर, सन् 2006 को अंतरिक्ष यान 'डिस्कवरी' से सुनीता और छह अन्य अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी। करीब छह महीने तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता ने कई रिकार्ड बनाए। इन्होंने सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली महिला का रिकार्ड बनाया। जनवरी 2007 में अंतरिक्ष में 22 घंटे 27 मिनट तक चहलकदमी कर सबसे लंबे समय तक स्पेस वाक करने का रिकार्ड बनाया।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) सुनीता विलियम्स किस अंतरिक्षयान से अंतरिक्ष यात्रा पर गई?
सुयोज टी-II ☐ कोलम्बिया ☐ डिस्कवरी ☑ इनमें से कोई नहीं ☐

(ख) कल्पना चावला के साथ कितने कॉस्मोनेट्स और थे?
पाँच ☐ छह ☑ सात ☐ आठ ☐

(ग) सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में कितने महीने रहीं?
आठ महीने ☐ छह महीने ☑ चार महीने ☐ दस महीने ☐

(घ) सुनीता विलियम्स ने कितने समय तक स्पेस वाक किया?
24 घंटे, 28 मिनट ☐ 30 घंटे, 30 मिनट ☐
22 घंटे, 27 मिनट ☑ 26 घंटे, 26 मिनट ☐

(ङ) राकेश शर्मा के साथ कितने कॉस्मोनेट्स थे?
तीन ☐ दो ☑ चार ☐ पाँच ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

नासा, नील आर्मस्ट्राँग, 3 अप्रैल, कल्पना चावला, उपलब्धियों

(क) राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष पर पहला कदम **3 अप्रैल** , 1984 को रखा।

(ख) भारत की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री **कल्पना चावला** थी।

(ग) कल्पना की **उपलब्धियों** और शोधों ने विश्वभर में भारत का नाम उज्ज्वल कर दिया।

(घ) सुनीता को अंतरिक्ष यात्रा की प्रेरणा **नील आर्मस्ट्राँग** से मिली।

(ङ) सुनीता को **नासा** द्वारा अंतरिक्ष यात्री की हैसियत से चुना गया।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. किन्ही पाँच योजकों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाओ—

(क) परीक्षाएँ निकट हैं इसलिए तुम्हें पढ़ना चाहिए।

(ख) तुम यहीं पर रह सकते हो या घर पर भी जा सकते हो।

(ग) वह उत्तीर्ण तो हो गया परंतु अंक कम प्राप्त हुए।

(घ) कल्पना जी और सुनीता जी अंतरिक्ष यात्रा पर गई थीं।

(ङ) वह दिल्ली पहुँच तो गया पर विलंब से पहुँचा।

2. **निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक-एक शब्द लिखो–**

(क) जिसकी कोई सीमा न हो – **असीमित**

(ख) जानने की इच्छा रखने वाला – **जिज्ञासु**

(ग) जिसका अंत न हो – **अनंत**

(घ) जमीन के नीचे पाई जाने वाली वस्तुएँ – **खनिज**

(ङ) शरीर के भीतर छोटे-छोटे जीवकोश – **जीवाणु**

(च) सिखाने वाला – **प्रशिक्षक**

3. **दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ–**

(क) दुर्लभ – **राकेश शर्मा ने ग्रहों के दुर्लभ चित्र खींचे**

(ख) संदेश – **कल्पना चावला जी ने अंतरिक्ष से संदेश भेजा।**

(ग) उमंग – **होली एक उमंग भरा त्योहार है।**

(घ) प्रशिक्षण – **कुछ छात्र जूड़ो-कराटे का प्रशिक्षण ले रहे हैं।**

(ङ) कृत्रिम – **आजकल विदेशों में कृत्रिम बारिश करवायी जाने लगी है।**

4. **निम्नलिखित शब्दों में 'आवट' प्रत्यय लगाकर वाक्य बनाओ–**

(क) लिखना + **आवट** – **लिखावट**

(ख) मिलाना + **आवट** – **मिलावट**

(ग) बनाना + **आवट** – **बनावट**

(घ) थकना + **आवट** – **थकावट**

(ङ) सजाना + **आवट** – **सजावट**

20 भोजन एवं स्वास्थ्य

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) तन और मन का भोजन से सीधा संबंध है। भोजन का तन और मन दोनों पर अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(ख) भोजन का सच्चा आनंद भूख लगने पर ही आता है।

(ग) हितभुक का अर्थ है कि हम जो भी भोजन करें, वह हितकारी हो।

(घ) गरिष्ट भोजन करने से अपच, गैस, जोड़ों के दर्द, गठिया, मधुमेह आदि रोग हो सकते हैं।

(ङ) भोजन बनाने व पचाने में परिश्रम की आवश्यकता पड़ती है।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) भोजन के विषय में हमारे आयुर्वेद ग्रंथों में हितभुक, मितभुक और ऋतभुक का आदेश है। हितभुक का अर्थ है कि हम जो भी भोजन करें, वह हितकारी हो। मितभुक का अर्थ है एक सीमा में भोजन करना, ऋतभुक का संबंध भोजन प्राप्ति के साधनों से है। परिश्रम और ईमानदारी की जीविका द्वारा भोजन ऋत है।

(ख) सहज सुपाच्य भोजन सबसे उत्तम भोजन इसलिए है क्योंकि इस भोजन का पाचन आसानी से होता है व शरीर को भी कई प्रकार से लाभ प्रदान करता है।

(ग) बदपरहेजी और बीमारी का चोली-दामन का साथ है क्योंकि परहेज अपने आप में एक ऐसी दवा है जो हर प्रकार की बीमारी को दूर करने में मदद करती है।

(घ) बाजार के भोजन को विष इसलिए माना गया है, क्योंकि इसमें स्वच्छता एवं शुद्धता का अभाव होता है।

(ङ) भोजन हमेशा शांति से निर्धारित समय पर खूब चबा-चबाकर करना चाहिए ताकि भोजन का रस बन जाए और आँते उसे आसानी से पचा सकें। विशेष अवसरों को छोड़कर भोजन बेहद सादा होना चाहिए। चपाती और एक दाल या सब्जी बहुत उत्तम और पौष्टिक भोजन है।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) कैसा भोजन रोजाना करना चाहिए?

गरिष्ट ☐ हल्का-फुल्का ☐ जंकफूड ☐ सुपाच्य ☑

(ख) विज्ञापन में मम्मी बच्चे के लिए दो मिनट में क्या पकाती है?

सब्जी ☐ खीर ☐ नूडल्स ☑ दाल ☐

(ग) अपच से कौन-सी बीमारियाँ हो जाती हैं?

जोड़ों का दर्द ☐ गठिया ☐ गैस ☐ तीनों ही बीमारी ☑

(घ) हमें भोजन कैसे नहीं करना चाहिए?

शांति से ☐ नियत समय पर ☐ चबा-चबाकर ☐ जल्दी-जल्दी ☑

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

संयम, मन, परिश्रम, अन्न, विष, निराहार

(क) जैसा खाओ **अन्न**, वैसा हो जाए **मन** ।

(ख) अधिक भोजन **विष** के तुल्य है।

(ग) भोजन में **संयम** बेहद आवश्यक है।

(घ) भोजन को पचाने में **परिश्रम** की आवश्यकता पड़ती है।

(ङ) अपच हो जाने पर **निराहार** रहना बहुत ही लाभदायक है।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित वाक्यों से एक शब्द बनाओ–

(क) जीभ को स्वाद लगने वाला – **स्वादिष्ट**

(ख) कठिनाई से पचने वाला – **दुष्पाच्य**

(ग) मैदे से बनी हुई सेंवई – **नूडल्स**

(घ) घी-तेल से तला हुआ – **गरिष्ट**

(ङ) परहेज न किया जाना – **बदपरहेजी**

(च) पोषक तत्वों वाला भोजन – **पौष्टिक**

(छ) बिना आहार के – **निराहार**

2. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलो—**

(क) व्यक्ति – **व्यक्तियों** (ख) सब्जी – **सब्जियों**

(ग) रोगों – **रोग** (घ) फल – **फलों**

(ङ) साधनों – **साधन**

3. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताओ—**

(क) भोजन – **पुल्लिंग** (ख) गाजर – **स्त्रीलिंग**

(ग) टिण्डा – **पुल्लिंग** (घ) मूली – **स्त्रीलिंग**

(ङ) खीर – **स्त्रीलिंग** (च) समोसा – **पुल्लिंग**

21 फूल और कली

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ—**

(क) कविता में फूल व कली के बीच बातचीत हो रही है।

(ख) कली को अपनी कभी न नष्ट होने वाली सुंदरता का घमंड है।

(ग) जीवन की सार्थकता बीज बन जाने में है।

(घ) कली विकसित होकर पुष्प का रूप धारण करती है।

2. **सोचकर लिखो—**

(क) कली पुष्प से कहती है, कि तुम अपनी सुगंधित खूश्बू से सबको प्रसन्नता प्रदान करते हो। दूसरों के उपयोग में आते हो पर इन सबके बदले तुम्हें क्या प्राप्त हुआ।

(ख) फूल का स्वभाव दयालु व परोपकारी है। जबकि कली का स्वभाव अहंकारी व स्वार्थ से पूर्ण है।

(ग) फूल की बातें सुनकर कली के स्वभाव में सकारात्मक बदलाव आया।

(घ) फूल कली को जीवन में दूसरों के काम आने (उपयोगी बनने) का सिद्धांत समझाना चाहता है।

3. **सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—**

(क) फूल गंध और मकरंद क्यों बिखेरता है?

उपकार के लिए ☐ प्रशंसा के लिए ☑ भवँरों के लिए ☐ व्यय के लिए ☐

(ख) कविता के आधार पर उपवन की विरासत क्या है?

वृक्ष लगाना ☐ सुगंध बिखेरना ☑ सूखा रखना ☐ कुआँ खोदना ☐

(ग) फूल की बात का कली पर क्या प्रभाव पड़ा?

कली प्रसन्न हो गई ☐ कली गुस्सा हो गई ☐

कली फूल की तरह खिल गई ☑ कली बीज बन गई ☐

4. आशय स्पष्ट करो–

(क) प्रस्तुत पंक्ति में कली पुष्प से कहीत है कि ''जिस समय से तुम खिलते हो उसी समय से अपनी सुगंध को फैलाना शुरू कर देते हो।''

(ख) प्रस्तुत पंक्ति में फूल कली से कहता है कि ''यह खुशबु उपवन की धरोहर है इसको संचय करने से कोई लाभ नहीं।''

5. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

(क) फूल से बोली कली, **क्यों व्यस्त मुरझाने में है**?
फायदा क्या गंध और, मकरंद बिखराने में है?

(ख) दूसरे दिन मैंने देखा, **वह कली खिलने लगी**
शक्ल-सूरत में, बहुत कुछ फूल से मिलने लगी।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों का कारक लिखो–

(क) वह सामने से आ रहा था – **करण कारक**

(ख) वहाँ से जल्दी निकल जाओ। – **अपादान कारक**

(ग) वह घर से विद्यालय गया। – **अपादान कारक**

(घ) सड़क कीचड़ से भरी थी। – **करण कारक**

(ङ) अध्यापक उससे क्रोधित हो गए। – **करण कारक**

2. निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग और शब्दों को अलग-अलग करके लिखो–

(क) उपकार – **उप + कार** (ख) उपवन – **उप + वन**

(ग) अक्षय – **अक + क्षय** (घ) खुशबू – **खुश + बू**

(ङ) अनछुआ – **अन + छुआ** (च) निःस्वार्थ – **निस् + स्वार्थ**

3. दिए गए शब्दों के विलोम लिखो–

(क) छुआ × **अनछुआ** (ख) नुकसान × **फायदा**

(ग) निरर्थक × **सार्थक** (घ) मुरझाना × **खिलना**

(ङ) गंध × **सुगंध** (च) उपकार × **अपकार**

4. 'इत' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द लिखो–

(क) संचय + इत = संचित (ख) प्रमाण + इत = प्रमाणित

(ग) मुखर + इत = मुखरित (घ) व्यथा + इत = व्यथित

(ङ) शिक्षा + इत = शिक्षित (च) द्रव + इत = द्रवित

22

क्या निराश हुआ जाए ?

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. **सोचकर बताओ–**

(क) भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया। इनकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक तत्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वह चरम और परम है।

(ख) ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। सच्चाई केवल भीरू और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी हैं। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।

(ग) ऊपर-ऊपर जो कुछ दिखाई दे रहा है, वह बहुत ही हाल की मनुष्य-निर्मित नीतियों की त्रुटियों की देन है।

(घ) भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है।

2. **सोचकर लिखो–**

(क) लेखक का मन कभी-कभी इसलिए बैठ जाता है, समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है।

(ख) इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ तथा फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। सच्चाई केवल भीरू और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।

(ग) धर्मभीरू लोग कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यही अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है।

(घ) तिलक और गाँधी ने जिस भारतवर्ष का सपना देखा था आज का भारतवर्ष उससे भिन्न है, इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता, जो कुछ भी करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिए जाएँगे। यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम। स्थिति अगर ऐसी है, तो निश्चय ही चिंता का विषय है।

(ङ) किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करते समय उसमें रस लिया जाता है, इसकी तुलना में किसी की अच्छाई की ओर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। लेखक के अनुसार अच्छाई वाले पक्ष पर अधिक बल देना चाहिए जिससे समाज में सुधार की सम्भावना बढ़ेगी।

(च) इस बात के पर्याप्त-प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) हर व्यक्ति किस दृष्टि से देखा जा रहा है?

प्रेम की ☐ निष्ठा की ☐ संदेह की ☑ श्रद्धा की ☐

(ख) भारत किसे धर्म के रूप में देखता है?

कानून को ☑ समर्पण को ☐ पूजा को ☐ शक्ति को ☐

(ग) किसका पर्दाफाश करना बुरी बात नहीं है?

गुणों का ☐ दोषों का ☑ रहस्यों का ☐ अच्छाई का ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो—

समाप्त, पर्दाफ़ाश, मूर्खता, धर्म, परीक्षित,

(क) ईमानदारी को **मूर्खता** का पर्याय समझा जाने लगा हैं।

(ख) सामाजिक कायदे-कानून कभी युग-युग से **परीक्षित** आदर्शों से टकराते है।

(ग) भारतवर्ष सदा कानून को **धर्म** के रूप में देखता आ रहा है।

(घ) दोषों का **पर्दाफ़ाश** करना बुरी बात नहीं है।

(ङ) कैसे कहूँ कि मनुष्यता एकदम **समाप्त** हो गई।

5. किसने-किससे कहा?

	किसने कहा?	किससे कहा?
(क) ''यह बहुत गलती हो गई थी। आपने भी नहीं देखा। मैंने भी नहीं देखा।''	**टिकट बाबू ने**	**लेखक से**
(ख) ''यहाँ डकैती होती है। दो दिन पहले इसी तरह एक बस को लूट लिया गया था।''	**किसी ने**	**यात्रियों से**
(ग) ''हमलोग बस का कोई उपाय कर रहे हैं, बचाइए, ये लोग मारेंगे।''	**ड्राइवर ने**	**लेखक से**
(घ) ''अड्डे से नई बस लाया हूँ, इस पर बैठिए।''	**कंडक्टर ने**	**यात्रियों से**
(ङ) ''पंडित जी ! बच्चों का रोना मुझसे देखा नहीं गया।''	**कंडक्टर ने**	**पंडित जी से**

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

1. निम्नलिखित क्रियाओं के प्रेरणार्थक रूप लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग करो—

(क) पढ़ना – **पढ़वाना** **शिक्षक ने छात्र से पाठ पढ़वाया।**

(ख) जलना – **जलवाया** **बढ़ई ने अतिरिक्त लकड़ियों को जलवाया।**

(ग) नहाना – **नहलवाया** पुजारी ने भक्तों द्वारा मूर्ति को नहलवाया।

(घ) जागना – **जगवाना** रावण ने कुंभकरण को जगवाया।

(ङ) सिलना – **सिलवाना** उसने दर्जी से कमीज सिलवाई।

(च) ठगना – **ठगवाना** सोहन ने अमित को व्यापारी के द्‌वारा ठगवाया।

2. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाओ–

(क) नियम – **नियमित** (ख) कृपा – **कृपालु**

(ग) पुराण – **पौराणिक** (घ) भारत – **भारतीय**

(ङ) नमक – **नमकीन** (च) रस – **रसीला**

(छ) कुल – **कुलीन** (ज) देहात – **देहाती**

3. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर इनके भेद (सरल/संयुक्त/मिश्र) लिखो–

(क) क्या यही भारतवर्ष है, जिसका सपना तिलक और गाँधी ने देखा था? – **मिश्र वाक्य**

(ख) जो जितने ही ऊँचे पद पर हैं, उनमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं। – **मिश्र वाक्य**

(ग) भूखे को रोटी और बीमार को दवा मिलनी चाहिए। – **संयुक्त वाक्य**

(घ) बुराई में रस लेना बुरी बात है। – **सरल वाक्य**

(ङ) कैसे कहूँ कि मनुष्यता एकदम समाप्त हो गई। – **मिश्र वाक्य**

(च) ठगा भी गया हूँ और धोखा भी खाया है। – **संयुक्त वाक्य**

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

(क) उपेक्षा × **अपेक्षा** (ख) उपस्थिति × **अनुपस्थिति**

(ग) झूठ × **सत्य** (घ) पवित्र × **अपवित्र**

(ङ) शिक्षित × **अशिक्षित** (च) आदर × **अनादर**

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाओ–

(क) शोभा + इत – **शोभित** (ख) स्वभाव + इक – **स्वभाविक**

(ग) धर्म + इक – **धार्मिक** (घ) आदर + अनीय – **आदरणीय**

(ङ) भ्रम + इत – **भ्रमित** (च) उल्लेख + अनीय – **उल्लेखनीय**

23 टीस

अभ्यास (EXERCISE)

पाठ-ज्ञान (From the Lesson)

1. सोचकर बताओ–

(क) राजाराम को देखकर काकी को बहुत क्रोध आता था।

(ख) राजाराम द्वारा सहायता प्राप्त न होने से रामकिशन व्यथा से बोझिल हृदय लिए घर पहुँचा उसे बहुत दुख हुआ।

(ग) राजा राम का रहन-सहन साधारण व व्यक्तित्व अहंकारी था, उसकी वाणी में विनम्रता का अभाव था।

(घ) राजाराम के घर में दीपावली वाले दिन भूसे में हवाइयाँ (चिंगारी) गिर जाने से आग लगी।

2. सोचकर लिखो–

(क) राजाराम द्‌वारा लाई गई वस्तुओं को देखकर काकी को प्रसन्नता नहीं होती थी वह उन्हें उठाकर फेंक देती थी।

(ख) काकी राजाराम को अपने पति का हत्यारा इसलिए समझती थी क्योंकि उन्हें लगता था अगर राजाराम रुपये देने के लिए मना न करते तो उनके पति की मृत्यु न होती।

(ग) बच्चे के जन्म की खबर सुनकर काकी खुश नहीं हुई।

(घ) राजाराम की अंतिम इच्छा थी कि काकी उसके बेटे का ध्यान रखें। उसकी इच्छा को काकी ने पूरा किया।

3. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ–

(क) बूढ़ी काकी के हृदय में क्या था?

टीस ☑ घृणा ☐ उग्रता ☐ तीनों ☐

(ख) काकी के जीवन में किसका उदय हो गया?

धूमकेतु का ☑ सूर्य का ☐ चंद्रमा का ☐ तारों का ☐

(ग) रामकिशन ने कितने तोले सोने का हार बनाया था?

पाँच तोले ☐ छह तोले ☑ सात तोले ☐ आठ तोले ☐

(घ) राजाराम ने गुर्राकर अपनी पत्नी से क्या कहा?

सुनार है वह भी ईमानदार ☑ लुहार है वह भी बेईमान ☐

बढ़ई है वह भी ईमानदार ☐ चित्रकार है वह भी ईमानदार ☐

(ङ) काकी ने राजाराम के बच्चे को–

सड़क पर छोड़ दिया। ☐ घृणा से देखा। ☐

गोद में उठा लिया। ☑ पानी पिलाया। ☐

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

आँसुओं, परिवर्तन, पागल, कटुवचन, हैसियत

(क) गाँव वाले राजाराम के इस **परिवर्तन** पर बड़े चकित थे।

(ख) वही राजाराम अब रोज काकी के **कटुवचन** सुनता था।

(ग) रामकिशन के पूर्वज किसी जमाने में अच्छी **हैसियत** रखते थे।

(घ) रामकिशन चिंता और भय से **पागल** हो गया।

(ङ) बूढ़ी काकी की आँखों में **आँसुओं** का सागर लहरा रहा था।

भाषा-ज्ञान (Language and Grammar)

निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करो–

01. यथा-साध्य – **सामर्थ्य के अनुसार**
02. रहन-सहन – **रहन और सहन**
03. टेढ़ी-मेढ़ी – **अस्थिर**
04. जल्दी-जल्दी – **जल्दी**
05. रातों-रात – **एक ही रात में**
06. बैठी-बैठी – **बैठे हुए**
07. लेटी-लेटी – **लेटे हुए**
08. आजीवन – **जीवन भर**
09. बेखटके – **बिना डर के**
10. एकाएक – **अचानक**
11. यदा-कदा – **कभी-कभी**

1. **निम्नलिखित समास विग्रह का समस्त पद बनाओ–**

(क) हर दिन – **प्रतिदिन**
(ख) विधि के अनुसार – **विधिनुसार**
(ग) प्रत्येक घड़ी – **प्रतिपल**
(घ) शक्ति के अनुसार – **शक्तिनुसार**
(ङ) दिन ही दिन में – **एक दिन में**
(च) संदेह रहित – **संदेह के बिना**

2. **निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करो–**

(क) फलकें झुकाना – **अपराधी ने पुलिस को देखकर पलकें झुका ली।**
(ख) पंख लगाकर दिन उड़ाना – **घाटी में सेना को आता देख आत आतंकवादी पंख लगाकर दिन उड़ाने लगे।**
(ग) साँस टूटना – **बीमारी के कारण उसकी साँसें टूटने लगीं।**
(घ) पासा पलट देना – **चुनाव में थोड़े से मतों से ही पासा पलट जाता है।**
(ङ) दिल पिघलना – **किशन की गरीबी को देखकर सुभाष का दिल पिघल गया।**
(च) सूनी गोद – **संतान ना होने की वजह से सावित्री की गोद सूनी है।**

3. **निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद करो–**

(क) दुस्साध्य – **दुस् + साध्य**
(ख) सामर्थ्यानुसार – **सामर्थ्य + अनुसार**
(ग) अत्यंत – **अति + अन्त**
(घ) कटुक्तियाँ – **कटु + उक्तियाँ**